दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 253
मुरादाबाद
(Sunday)
04 January 2026
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पवित्र पिपरहवा अवशेषों की अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का शुभारंभः पीएम बोले- भगवान बुद्ध सबके हैं, सबको जोड़ते हैं

भगवान बुद्ध से जुड़े पवित्र पिपरहवा अवशेषों की भव्य अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी के शुभारंभ के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उनके पवित्र अवशेषों के दर्शन पाकर वह धन्य हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भगवान बुद्ध सबके हैं और सबको जोड़ते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को भगवान बुद्ध से जुड़े पवित्र पिपरहवा अवशेषों की भव्य अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा, सवा सौ साल के इंतजार के बाद भारत की विरासत लौटी है, भारत की धरोहर लौटी है। आज से भारतीय जनमानस, भगवान बुद्ध के इन पवित्र अवशेषों के दर्शन कर पाएगा, भगवान बुद्ध के आशीर्वाद ले पाएगा। मैं इस शुभ अवसर पर यहां मौजूद सभी अतिथियों का स्वागत और अभिनंदन करता हूं। पीएम मोदी का 2026 का पहला सार्वजनिक कार्यक्रम

उन्होंने आगे कहा, 2026 के शुरुआत में ही यह शुभ उत्सव बहुत प्रेरणादायी है और मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि 2026 का ये मेरा पहला सार्वजनिक कार्यक्रम है, जो भगवान बुद्ध की चरणों से शुरू हो रहा है। मेरी कामना है कि भगवान बुद्ध के आशीर्वाद से 2026 दुनिया के लिए शांति, समृद्धि और सद्भाव का नया दौर लेकर आए।

जिस स्थान पर यह प्रदर्शनी लगी है वो भी अपने-आप में विशेष है। किला राय पिथौरा का यह स्थान भारत के गौरवशाली इतिहास की यशभूमि है।भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष पाकर हम सभी धन्य%- उन्होंने कहा, भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष को अपने बीच पाकर हम सभी धन्य हैं। इनका भारत से बाहर जाना और लौटकर फिर भारत आना... ये दोनों ही पड़ाव अपने-आप में बहुत बड़ा सबक है। सबक ये है कि गुलामी कोई राजनीतिक और आर्थिक नहीं होती, गुलामी हमारी विरासत को भी तबाह कर देती है। भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष के साथ भी यही हुआ। गुलामी के कालखंड में इन्हें भारत से छीना गया। तब से करीब सवा सौ साल तक ये देश से बाहर ही रहे हैं। इसलिए उन्होंने इन पवित्र अवशेषों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में नीलाम करने का प्रयास किया। भारत के लिए तो भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष... हमारे आराध्य का ही एक अंश है, हमारी सभ्यता का अभिन्न अंग है।

पूरी मानवता का है भगवान बुद्ध का मार्ग-उन्होंने कहा, भगवान बुद्ध का ज्ञान, उनका दिखाया माग...ंपूरी मानवता का है। यह भाव हमने बीते कुछ महीनों में बार-बार अनुभव किया। बीते कुछ महीनों में भगवान बुद्ध के पावन अवशेष जिस भी देश में गए, वहां आस्था और श्रद्धा का ज्वार उमड़ आया।बुद्ध सबके हैं...सबको जोड़ते हैं.. प्रधानमंत्री ने कहा, भगवान बुद्ध सबके हैं... सबको जोड़ते हैं। मैं खुद को बहुत भाग्यशाली समझता हूं, क्योंकि भगवान बुद्ध का मेरे जीवन में बहुत ही गहरा स्थान रहा है। मेरा जन्म जिस वडनगर में हुआ, वो बौद्ध शिक्षा का बहुत बड़ा केंद्र था। जिस भूमि पर भगवान बुद्ध ने प्रथम उपदेश दिए, वो सारनाथ आज मेरी कर्मभूमि है। भारत केवल भगवान बुद्ध के पावन अवशेषों का संरक्षक नहीं है, बल्कि उनकी परंपरा का जीवंत वाहक भी है। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध से जुड़े अवशेष बुद्ध के संदेश की जीवित उपस्थिति है।

संक्षिप्त समाचार

मासूम की सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या... दरिंदों ने इसलिए छत से फेंका शव, मुठभेड़ के बाद हुए गिरफ्तार

यूपी के बुलंदशहर जिले से सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक मासूम बच्ची के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया। विरोध करने पर आरोपियों ने बच्ची की हत्या कर दी। हत्या के बाद शव छत से फेंक दिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को देर रात मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। आरोपी नशे की हालत में थे।सिकंदराबाद औद्योगिक क्षेत्र के एक गांव में शुक्रवार शाम लापता हुई छह वर्षीय मासूम बच्ची के साथ उसी मकान में रहने वाले दो युवकों ने सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या की और शव को छत से फेंक दिया था। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को देर रात मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है।फिरोजाबाद जनपद निवासी श्रमिक की छह वर्षीय मासूम बेटी शुक्रवार शाम को खेलते हुए अचानक लापता हो गई थी। बताया गया कि बच्ची खेलते हुए मकान की ऊपरी मंजिल पर चली गई थी, जहां पहले से ही दो अन्य युवक मौजूद थे। आरोपी नशे की हालत में थे और उन्होंने बच्ची को अकेला पाकर अपनी दरिंदगी का शिकार बनाया। विरोध करने और शोर मचाने पर बच्ची की हत्या कर दी गई और उसे तीसरी मंजिल से नीचे फेंक दिया गया।वारदात के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों की तलाश शुरू की। देर रात पुलिस और आरोपियों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसके बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

तंबुओं की नगरी फिर गुलजार : आस्था का वास... कल्पवासियों का डेरा; संगम की रेती पर कल्पवास करने का अक्षय पुण्य

यूपी के प्रयागराज में एक बार फि से तंबुओं की नगरी गुलजार हो गई है। आज से शुरू कल्पवास एक फरवरी को माघी पूर्णिमा पर पूर्ण होगा। प्रयागराज में कल्पवास करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है।प्रयागराज में संगम की रेती पर शनिवार को पौष पूर्णिमा के पहले स्नान पर्व के साथ ही माघ मेला ही नहीं कल्पवास भी शुरू हो गया। ऐसी मान्यता है कि माघ मास में सभी देवी-देवता प्रयागराज में ही वास करते हैं, इसलिए यहां पौष पूर्णिमा से कल्पवास की शुरुआत होती है। प्रयागराज में कल्पवास करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। संगम की रेती पर बने तंबुओं में गृहस्थ और साधु-संत कल्पवास करते हैं। कल्पवास में लोगों की दिनचर्या नियमित और संयमित होती है। अखिल भारतीय दंडी संन्यासी परिषद के संरक्षक स्वामी महेशाश्रम महाराज के मुताबिक पौष पूर्णिमा पर जो श्रद्धालु कल्पवास के लिए आते हैं, उन्हें सबसे पहले संगम तट पहुंचने पर गणेश पूजन करना चाहिए।इसके बाद गंगा पूजन और रेत से पिंडी बनाकर सभी देवी-देवताओं का पूजन करना चाहिए। इसके बाद श्रद्धालु अपने शिविर में पहुंचते हैं। जहां शिविर के बाहर तुलसी और कदली का पौधा रोपने का विधान है।स्वामी बताते है कि प्रयाग, माघ और कल्पवास तीनों एक-दूसरे के पूरक हैं। इसका पौराणिक और शास्त्र वर्णित है कि श्रद्धालु पौष पूर्णिमा पर गंगा स्नान कर कल्पवास का संकल्प लेकर एक माह का कठिन तप और व्रत की शुरुआत करते हैं। इस दौरान ब्रह्मचर्य का पालन करते हैं।तीन पहर गंगा स्नान और भूमि पर शयन करते हैं। एक पहर गुरु को भोजन कराने के बाद भोजन ग्रहण करते हैं। अपनी कुटिया में देवी-देवताओं की पूजा अर्चना के साथ ही रामायण और गीता का पाठ करते हैं। संत महात्माओं की कथाओं और प्रवचन का श्रवण करते हैं। इस तरह से माघी पूर्णिमा तक कल्पवास का संकल्प चलता रहता है। कल्पवास पूरा होने पर श्रद्धालु भगवान सत्यनारायण की कथा का श्रवण कर आध्यात्मिक ऊर्जा बटोर कर अपने घर को लौटते हैं। वहीं, माघी पूर्णिमा के बाद भी कई साधु-संत और कल्पवासी मेले में बने रहते हैं। बताते है कि वे त्रिजटा स्नान के बाद अपने आश्रम व घरों के लिए वापसी करते हैं।संगम तट पर आस्था का वास, कल्पवासियों से गुलजार तंबुओं की नगरी

संगम की रेती पर एक बार फिर आस्था ने डेरा डाल दिया है। शनिवार से शुरू हो रहे कल्पवास के लिए लाखों श्रद्धालु संगम तट पर पहुंच चुके हैं। दूर-दराज के क्षेत्रों से आए कल्पवासी व्रत-तप, साधना और संयम का संकल्प लेकर तंबुओं की नगरी में बस गए हैं। पूरे क्षेत्र में जप, तप और पूजा-अनुष्ठान की तैयारी हो रही है।शुक्रवार देर शाम तक श्रद्धालुओं का आगमन जारी रहा। कल्पवासियों ने अपने-अपने शिविरों में पहुंचकर आवश्यक सामान व्यवस्थित किया। संग लाए तुलसी के पौधों को कुटिया के बाहर रोपा गया, जबकि ठाकुर जी, पूजा सामग्री, दान की वस्तुएं, राशन और वस्त्र शिविरों के भीतर रखे गए। ई-रिक्शा, कार, पिकअप और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के माध्यम से पुआल, बिस्तर, राशन और जलावन लकड़ी लाते कल्पवासी पूरे दिन नजर आए।सहसों निविगारापुर निवासी 71 वर्षीय श्याम मुरारी तिवारी अपने परिवार के साथ ओल्ड जीटी रोड स्थित डूंग जी भूरा मठ के शिविर में कल्पवास करने पहुंचे हैं। उन्होंने बताया कि वे कई वर्षों से पूरे परिवार के साथ कल्पवास कर रहे हैं। प्रतापगढ़ जिले के सराय नहर राय निवासी कमल किशोर पांडेय भी अपनी पत्नी के साथ शिविर में पहुंच गए हैं। उन्होंने संगम स्नान के बाद कल्पवास के शुभारंभ की बात कही।

बरेली में सीएम योगी ने दिवंगत भाजपा विधायक को दी श्रद्धांजलि, अंतिम यात्रा में उमड़े हजारों लोग

बरेली में दिवंगत विधायक प्रोफेसर श्याम बिहारी लाल के दर्शन करने के लिए शनिवार सुबह से ही लोग पहुंचने लगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी दिवंगत विधायक को श्रद्धांजलि देने बरेली पहुंचे। उन्होंने शहर के शक्तिनगर स्थित आवास पर विधायक को श्रद्धांजलि दी। उनके परिजनों को ढाढ़स बंधाया। बरेली में दिवंगत विधायक प्रोफेसर डॉ श्याम बिहारी लाल के निधन के बाद दूसरे दिन शनिवार सुबह 11ः43 बजे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शहर के शक्ति नगर कॉलोनी स्थित उनके आवास पर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने दिवंगत विधायक को श्रद्धांजलि दी। उनके परिजनों को ढाढ़स बंधाया। बता दें कि फरीदपुर से भाजपा विधायक प्रोफेसर श्याम बिहारी लाल शुक्रवार को सर्किट हाउस में हुई पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह की मीटिंग में हिस्सा लेने गए थे।बैठक के बाद भोजन के दौरान उनकी अचानक तबीयत खराब हुई थी, फिर करीब घंटेभर बाद ही वह दुनिया को छोड़ गए थे। डॉक्टर ने विधायक की मौत की वजह हृदयाघात बताई है। उनके अचानक निधन से हर वर्ग में शौक है। शनिवार को उनके पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन के लिए मुख्यमंत्री भी पहुंचे। मुख्यमंत्री ने दिवंगत विधायक की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उनकी पत्नी व बच्चों से मिलकर शोक संवेदनाएं व्यक्त की। विधायक के परिजनों से मिले सीएम योगी वन राज्यमंत्री डॉ अरुण कुमार सक्सेना ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आए। उन्होंने दिवंगत विधायक को श्रद्धांजलि दी। उनके पूरे परिवार से मिले। मुख्यमंत्री ने विधायक की पत्नी, बेटियों और बेटे से जानकारी ली। सीएम योगी ने विधायक के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। शोक संतृप्त परिजनों को सांत्वना दी। करीब 15 मिनट यहां रुकने के बाद मुख्यमंत्री रवाना हो गए।दिवंगत विधायक के अंतिम दर्शन करने हजारों लोग पहुंचे। शक्ति नगर स्थित आवास से दोपहर करीब 12 बजे उनकी अंतिम यात्रा निकाली गई। फरीदपुर के स्टेशन रोड स्थित श्मशान भूमि पर उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। सुरक्षा व्यवस्था के लिए जनपद के तमाम सर्किलों के पुलिस क्षेत्राधिकारी सहित पुलिस फोर्स व पीएसी फरीदपुर में विधायक के कार्यालय से लेकर शमशान भूमि तक तैनात है।

बंगाल को 'वेस्ट पाकिस्तान' बनाने की साजिश, मिथुन चक्रवर्ती का आरोप;कश्मीर फाइल्स जैसी स्थिति का दावा

पश्चिम बंगाल के कूचबिहार में भाजपा नेता व अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती ने राज्य में हालात को कश्मीर फाइल्स जैसा बताते हुए गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने बंगाल को वेस्ट पाकिस्तान बनाने की साजिश का दावा किया।भाजपा नेता और फिल्म अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती ने पश्चिम बंगाल की कानून-व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। कूचबिहार में एक कार्यक्रम के दौरान मिथुन ने आरोप लगाया कि बंगाल में जानबूझकर ऐसे हालात बनाए जा रहे हैं, जो कश्मीर फाइल्स में दिखाए गए घटनाक्रम से मिलते-जुलते हैं।मिथुन चक्रवर्ती ने कहा %क्या आपने 'द कश्मीर फाइल्स' देखी है? क्या आपने देखा कि कश्मीरी पंडितों को कैसे वहां से खदेड़ा गया? आज बंगाल में भी वैसी ही स्थिति पैदा की जा रही है। एक साजिश के तहत पश्चिम बंगाल को 'वेस्ट पाकिस्तान' में बदलने की कोशिश हो रही है।भ ाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती ने आगे कहा कि लक्ष्मी भंडार योजना खराब नहीं है और लोगों को इसका लाभ लेना चाहिए, क्योंकि यह उनका ही पैसा है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना से देशभर में लोग लाभान्वित हो रहे हैं, लेकिन पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इसे लागू नहीं होने दे रहीं, क्योंकि इससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रचार होगा। मिथुन ने आरोप लगाया कि बंगाल में न नौकरियां हैं, न कारखाने, न विकास- हर तरफ सिर्फ भ्रष्टाचार है। राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन पर पक्षपातपूर्ण रवैये का आरोप

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि राज्य में बांग्लादेश जैसे हालात बनाने की कोशिशें की जा रही हैं। मिथुन ने कहा कि हाल ही में दीपू दास मामले के विरोध में प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पुलिस ने बेरहमी से लाठीचार्ज किया और 18 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया। भाजपा नेता ने सवाल उठाया कि हम किसी घटना के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन भी नहीं कर सकते। बांग्लादेश में घटना होती है और यहां बंगाल में हिंदुओं पर हमला किया जाता है। यह किस तरह का न्याय है? मिथुन चक्रवर्ती ने राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन पर पक्षपातपूर्ण रवैये का आरोप लगाते हुए कहा कि लोकतंत्र में विरोध की आवाज दबाना बेहद खतरनाक संकेत है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर हालात ऐसे ही रहे तो इसका असर सिर्फ बंगाल तक सीमित नहीं रहेगा। इससे पहले भी भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला था।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को धमकी देने पर कड़ी नाराजगी जाहिर की थी

सुकमा-बीजापुर में मुठभेड़, सुरक्षाबलों ने 14 नक्सलियों को मार गिराया, नक्सली कमांडर मंगडु भी ढेर

छत्तीसगढ़ के सुकमा में सुरक्षाबलों बड़ी कामयाबी मिली है। जिले के कोन्टा-किस्टाराम इलाके के जंगलों में मुठभेड़ में 12 नक्सलियों को मार गिराने की खबर है। उधर, सुरक्षाबलों ने सुकमा जिले में भी दो नक्सलियों को मार गिराया है।बस्तर रेंज में नक्सल विरोधी अभियानों के दौरान सुरक्षा बलों को एक बार फिर बड़ी सफलता हाथ लगी है। बीजापुर और सुकमा जिलों में चलाए गए सघन तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने कुल 14 नक्सलियों के शव बरामद किए हैं। इन नक्सलियों के पास से भारी मात्रा में एके-47, आईएनएसएएस और एसएलआर राइफल जैसे अत्याधुनिक हथियार भी जब्त किए गए हैं। तहत दक्षिण बस्तर क्षेत्र में डीआरजी की विशेष टीमों को रवाना किया गया था। ऑपरेशन के दौरान बीजापुर जिले में सुबह लगभग 5 बजे से डीआरजी और नक्सलियों के बीच रुक-रुक कर मुठभेड़ जारी रही। वहीं, सुकमा जिले में भी सुबह लगभग 8 बजे सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच रुक-रुक कर फायरिंग की स्थिति बनी हुई है।लगातार जारी मुठभेड़ों के बीच, अब तक तलाशी अभियान के दौरान मुठभेड़ स्थलों से कुल 14 नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं। इनमें बीजापुर जिले से 2 और सुकमा जिले से 12 माओवादी शामिल हैं। सुरक्षा बलों ने इन नक्सलियों के पास से एके-47, आईएनएसएएस और एसएलआर राइफल सहित कई अन्य हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए हैं।

संपादकीय Editorial

New Tunes of Hope

Despite economic crises, natural disasters, and uneasy treatment from the central government, if the Himachal government is lighting the lamp of hope, it is a reassessment of its responsibility beyond criticism. The Sukhu government, searching for new tunes and avenues of hope, is now demonstrating its intention to make the next two years a hotbed of action. It wasn't easy to prepare the ground for 100 CBSE schools by sifting through the state's government schools, and now the cabinet meeting indicates that a new test of quality is being posed in the classrooms of education. Lamps worth 100 crores will be lit in the courtyards of these schools to radiate glorious light, following CBSE standards. A new pipeline of special educators, multi-task workers, watchmen, yoga teachers, math and English teachers is being created in each school. We can't simply call this a job opportunity, but rather a new opportunity to empower education. Along similar lines, we can see the creation of 53 assistant professor positions in medical colleges, as well as other categories of nursing positions, but a new upsurge in education is yet to be seen. Just as 100 schools are now joining the state's elite club through the CBSE curriculum, Himachal Pradesh can similarly set an example of efficiency and dedication by designating its regional and zonal hospitals as state-level hospitals for specific diseases. A separate wing within such state-level hospitals could provide excellence and fee-setting flexibility, similar to private hospitals. To further enhance health tourism's tourism potential, select hospitals need to offer world-class facilities and Ayurvedic practices. The Cabinet, by creating 2,224 new jobs, has defined the hard work of young people as a path to success, while also encouraging self-employment in the transportation sector. By providing a 30% subsidy on the purchase of small e-buses, the government has promoted green employment in a green state. Small urban shopkeepers are also being offered loans of up to one lakh rupees. The government has demonstrated its commitment to increasing the profit margin on milk procurement rates by adding new milk processing plants and chilling centers in the second phase of its pilot. Following the preparations for the Jathia Devi Township near Shimla, an attempt is underway to develop another Panchkula or Mohali near Chandigarh in Sheetalpur, Baddi, in pursuit of urbanization. Here, 3,400 bighas of land are being transferred to Himuda in the first phase. It is noteworthy that, in addition to Jathia Devi, township projects in Narghota, Dharamshala, are languishing in the arms of sadness and indifference. Another milestone in the process of relocating offices from Shimla was lifted when the Cabinet announced the relocation of the headquarters of the Backward Classes Commission to Dharamshala. The Himachal government, infusing its compassionate touch, is constantly adding new dimensions to the Sukhashray Scheme and, in this regard, is now providing shelter to some non-governmental organizations. In this regard, the Tong Lane School in Dharamshala is being provided with a shelter roof. Even though the state faces financial constraints and opposition criticism prevails at certain points, the Himachal government is innovating on its own to bring about systemic change. Some efforts in this regard are commendable, but there are certainly many state expenditures that could be curbed.

Deadly Water: 14 People Die in Indore Due to Contaminated Drinking Water

The result is that even metropolitan cities are supplied with substandard drinking water. This leads to millions of cases of waterborne diseases like typhoid, hepatitis, and cholera every year. The NITI Aayog's Comprehensive Water Management Index indicates that approximately two lakh people die annually in India due to lack of safe drinking water. Fourteen people died in Indore due to contaminated drinking water. Sewer water mixed with drinking water pipelines, causing the tragedy. The Municipal Corporation's negligence and the Minister's insensitivity are exposed. The deaths of 14 people due to contaminated drinking water in Indore, which holds the status of the country's cleanest city, is a shocking and shameful incident. This incident not only raises questions about sanitation standards but also exposes the Municipal Corporation's incompetence, tarnishing the country's image. The supply of contaminated drinking water in Bhagirathpura, Indore, proved fatal because sewage effluents entered the drinking water pipeline and then reached homes. Had complaints of contaminated drinking water supply been addressed immediately, this horrific tragedy could have been prevented. However, as is common in our country, complaints of contaminated water supply were ignored until people began dying. The deaths of 14 people, the illness of over a thousand, with over a hundred hospitalized, clearly demonstrate the extent of the toxic water being supplied. This supply was being made in an area of ??Indore that is the constituency of Urban Development Minister Kailash Vijayvargiya, and the department responsible for supplying drinking water falls under his ministry. When the Minister was questioned about this fatal negligence, he displayed insensitivity and dismissed such questions as frivolous. It is not reassuring that Kailash Vijayvargiya, after facing widespread criticism, expressed regret, as it exposed the insensitivity that leads to such incidents. It's also not satisfactory that the relevant officials of the Indore Municipal Corporation were suspended, because suspension is not a punishment, and secondly, it's doubtful that measures can be taken to prevent contaminated water supply. It's better to understand that the Indore Municipal Corporation isn't the only one responsible for ensuring the supply of clean drinking water, as the quality of drinking water in the country is generally substandard. This is evident in the fact that people have to rely on RO systems or purchase drinking water for clean drinking water. This is because, on the one hand, drinking water quality standards are ignored, while on the other, broken pipelines are rarely addressed. The result is that even metropolitan cities are supplied with substandard drinking water. This leads to millions of cases of waterborne diseases like typhoid, hepatitis, and cholera every year. The NITI Aayog's Comprehensive Water Management Index shows that approximately two lakh people die every year in India due to lack of safe drinking water.

Time to Build the India of the Future

In the new year, it cannot be overlooked that there is a constant challenge from terrorist elements on the borders. This necessitates constant vigilance and caution. Similarly, the signs of natural disasters, such as climate change and rising temperatures, highlight the complexity of the environmental crisis. The Indian knowledge tradition and value system have emphasized balance and coexistence with nature. India's economic strength and technological progress are growing. Social inequality, unemployment, and climate change remain major challenges. Inclusive development, skills, and strengthening democratic institutions are essential. India's image as a strong nation has certainly blossomed over the past decade. As we contemplate the future of this changing India in the new year, we must keep in mind both the country's rich ancient civilization and the concept of a modern nation-state. The indelible image of Ramrajya, a symbol of ethical and just governance, still lingers in public memory. Therefore, while we must keep in mind aspirations compatible with globalization, we must also be concerned with the values ??of morality, truth, and non-violence. Looking at the story of the country's progress, we find elements of both continuity and change. In this new year, we must soberly consider what a developed India will look like. Indian society is characterized by many types of pluralities, which some thinkers question the country's fundamental unity. They forget that, in the Indian view, plurality is a manifestation of an underlying fundamental unity - "Ekam Sad Vipra Bahudha Vadanti." The objective should be to discover and recognize this unity. The coexistence and mutual dialogue of diversity, based on closeness in the entire animal kingdom, is the fundamental thinking of this India. It is not without reason that the metaphor of family is central to our thinking. This vision is also essential for national unity, a sense of belonging, and patriotism. The past year has been full of challenges for India. American policy has created difficulties for India's exports, the value of the rupee, investments, and the balance of payments. President Trump's policy of aggressively advancing American interests has harmed us. In light of this, India took several steps to manage the situation. GST rates were reduced and labor laws were amended. It is a significant achievement that, even in the face of dire international uncertainty, India's GDP growth rate remained among the highest in the world. Retail inflation was also the lowest in eight years. Good production, improved supply chains, and low crude oil prices contributed to these circumstances. Domestic investors in the stock market strengthened our economy. Income tax filings and tax collection also improved. New initiatives were launched in the areas of power, urban development, mining, and financial services. India is on its way to becoming a major global economic power and is projected to become the world's third-largest economy by 2030 with a GDP of $7.3 trillion. Socially, the size of the middle class is growing, leading to increased consumption and urbanization, and a reduction in poverty. The country's infrastructure is expanding. Progress is also being made in digital technology, artificial intelligence (AI), space science, metros, and bullet trains. The Made in India initiative is creating new employment opportunities with a significant increase in manufacturing, IT, healthcare, and startups. The production sector is seeing growth, and a policy of indigenous development is being adopted. It is anticipated that the use of 5G and robotics will expand. Online shopping and OTT platforms are rapidly gaining popularity. The dominance of AI will increase further in the future, and cybercrime may also increase. Cybersecurity is becoming a crucial concern. It is also important to remember that the country's future cannot be limited to indicators of economic progress alone. Economic development must be viewed not only in terms of growth rate, but also in terms of increased employment opportunities, social mobility, and improved living standards for the common people. To ensure a quality life for all, the economy must also become knowledge-centric and socially responsible. There is opportunity for a self-reliant India, but we cannot ignore our limitations. Young India is often heralded as an asset, but this requires investment in skills, health, and education. Lack of skill development and youth unemployment are causing discontent in society. Serious efforts must be made to address the inconsistencies in the new education policy and implement it. Doubts remain about the accessibility, quality, and relevance of education. Similarly, public healthcare has also experienced challenges. Mental health facilities are inadequate. Female labor force participation remains low. Income and wealth inequality has also increased, and insecurity in the informal sector persists. Caste, class, gender, and regional disparities also persist. Addressing these challenges will necessitate the inclusion of the excluded, otherwise, the cycle of political parties exploiting social polarization for electoral gain will continue. We must integrate pluralism and national unity. In the new year, it cannot be overlooked that terrorist elements continue to pose a constant challenge on the borders. This necessitates constant vigilance and caution. Similarly Signs from natural disasters, climate change, and rising temperatures highlight the complexity of the environmental crisis. The Indian knowledge tradition and value system emphasize balance and coexistence with nature. We must curb consumerism and adopt a lifestyle that is not inimical to the environment and sustainable development. India's future is bright and full of possibilities, but it also faces challenges such as poverty, climate change, and social inequalities. It will also be essential to increase public trust in democratic institutions and promote social dialogue and tolerance.

अपार आईडी कार्य पूरा न करने पर 18 विद्यालय को नोटिस जारी

मुरादाबाद। माध्यमिक शिक्षा परिषद से संबद्ध जिले के 429 विद्यालयों में कक्षा 6 से 12वीं तक अध्ययनरत 6 लाख से अधिक विद्यार्थियों की अपार आईडी बनाने का कार्य दो वर्षों में भी पूरा नहीं हो सका है। विभागीय आंकड़ों के अनुसार अब तक मात्र 45 प्रतिशत अपार आईडी नहीं बन पाई हैं। इस पर नाराजगी जताते हुए 18 विद्यालयों को जिला विद्यालय निरीक्षक ने नोटिस जारी किया है। जिला विद्यालय निरीक्षक देवेंद्र कुमार पांडेय ने बताया कि पिछले दो वर्ष से माध्यमिक शिक्षा परिषद के संबद्ध विद्यालय में छात्र प्रोफाइल कॉलेज यूडाइस पोर्टल अपलोड अपार आईडी बनाने का कार्य किया जा रहा है। हालांकि निर्धारित समय भी निकल चुका है इसके बाद कई बार विद्यालयों प्रधानाचार्य को मौका दिया गया था। फिर भी जिले में 45 प्रतिशत कार्य ही पूरा हो पाया है। शुक्रवार को सभी विद्यालयों की प्रगति जानने के लिए ऑनलाइन बैठक में अपार आईडी और परीक्षा पे चर्चा की समीक्षा की गई। इस दौरान यह भी सामने आया कि 15 ऐसे विद्यालय हैं, जहां अपार आईडी बनाने की प्रगति महज 5 प्रतिशत रही। इस गंभीर लापरवाही को देखते हुए संबंधित विद्यालयों को नोटिस जारी कर दो दिन में स्पष्टीकरण मांगा है। दिए समय के भीतर स्पष्टीकरण न देने पर शासन इसकी रिपोर्ट कार्रवाई की जाएगी। उधर, आगामी परीक्षाओं को लेकर आवश्यक तैयारियों में भी बड़ी खामियां पाई गई हैं। विभागीय निर्देशों के बावजूद लगभग 200 विद्यालय परीक्षा संबंधी कार्यों को समय पर पूरा नहीं कर पाए हैं। इन विद्यालयों में परीक्षा पे चर्चा को लेकर अध्यापकों और अभिभावकों के साथ अनिवार्य चर्चा होनी थी, साथ ही छात्रों के पंजीकरण का कार्य भी कराया जाना था, जो अब तक अधूरा है। शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूरा न करने वाले विद्यालयों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। वहीं, अभिभावकों और छात्रों में भी अपार आईडी और परीक्षा तैयारी को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। अपार आईडी बनाने में पिछड़े इन विद्यालयों को नोटिस जारी हुआ 1-तस्लीमा मेमोरियल पंडित नगला 2-पवार इंटर कॉलेज, गाजीपुरा 3-आरके इंटर कॉलेज, काजीपुरा 4-बीएचए. इंटर कॉलेज, कटघर 5-फलाहे दारेन इंटर कॉलेज 6-नेशनल मॉडर्न स्कूल, बाईपास, करुला 7-ओमवती राजा राम इंटर कॉलेज 8- भारतीय बाल विद्या मंदिर 9-विकास इंटर कॉलेज, दुर्गा कॉलोनी, सिहोरा गोविंद 10-सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज , गुलाबबाड़ी 11-तोता राम सैनी (टीआरएस) मेमोरियल हायर सेन एसईसी एससीएच स्कूल 12-एमए. इंटर कॉलेज काजीपुरा रोड (मऊ) 13-सावित्री बाई फुले कन्या इंटर कॉलेज, शाहपुर तिगरी 14-श्रीमती श्यामो देवी मेमोरियल इंटर कॉलेज सूरज नगर 15-साजिद इंटर कॉलेज, मुरादाबाद, 16-ओंकार सरन गर्ल्स इंटर कॉलेज, जयंतीपुर रोड 17-सुरभि शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज 18-केआर कन्या इंटर कॉलेज, दुर्गेश नगर

टैरिफ और कच्चे माल का झटका, मुरादाबाद का निर्यात कारोबार 30 प्रतिशत गिरा, डेढ़ लाख लोगों ने काम छोड़ा

अमेरिकी टैरिफ और कच्चे माल की महंगाई के चलते मुरादाबाद का हस्तशिल्प निर्यात 2025 में बुरी तरह प्रभावित हुआ है। जिले का निर्यात करीब तीन हजार करोड़ रुपये घट गया और 30 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। अमेरिकी टैरिफ, कच्चे माल की गुजरे साल (2025) में जिले के हस्तशिल्प उत्पाद का निर्यात दर्ज की गई है। जिला उद्योग केंद्र के रिकॉर्ड के अनुसार में यह घटकर साढ़े छह से सात हजार करोड़ रुपये पर आ गया। एमएचईए के प्रेसीडेंट नावेद उर्रहमान का कहना है कि अमेरिका होल्ड कर दिए। नए आर्डर मिलने बंद हो गए।मुरादाबादी अमेरिकी निर्यात का 30 प्रतिशत काम कम हो गया। निर्यातकों लगेगा। इसमें खरीदारों के रुख से भविष्य के आर्डर की स्थिति वाले दिनों में भी बेहतर नतीजे की उम्मीद नहीं लगा सकते।- एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी साजिद मंसूरी ने बताया कि गए हैं। एक साल में निर्यात से जुड़े अलग-अलग क्षेत्रों से 60 को भी मना कर दिया है। कुछ को अब रोज के काम के हिसाब

महंगाई से मिले झटके ने मुरादाबाद के निर्यात कारोबार को हिला दिया है। तीन हजार करोड़ रुपये कम हुआ है। निर्यात में 30 फीसदी की गिरावट मुरादाबाद से हर साल 10437 करोड़ रुपये के निर्यात का औसत है।सालभर अमेरिका की नई टैरिफ दरों के बाद निर्यात का आंकड़ा तेजी से घटा है। के भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ से वहां के खरीदारों ने पहले से दिए आर्डर हस्तशिल्प निर्यात का 60 प्रतिशत कारोबार अमेरिका में ही है। लिहाजा का कहना है कि इसी माह (जनवरी) के मध्य में अमेरिका में फेयर स्पष्ट होगी। अगर टैरिफ और कच्चे माल की स्थिति इसी तरह रही तो आने पांच साल में डेढ़ लाख लोगों ने काम छोड़ा पीतल बस्ती दस्तकार पिछले पांच साल में करीब डेढ़ लाख लोग हस्तशिल्प के काम से दूर हो हजार लोगों की नौकरी चली गई। निर्यातकों ने करीब पांच हजार कामगारों से कामगारों को रखा जा रहा है। प्रतिदिन काम के हिसाब से भुगतान किया जाता है। इन देशों में होता है निर्यात- मुरादाबाद से हस्तशिल्प उत्पाद का निर्यात अमेरिका, ब्रिटेन, सऊदी अरब, दुबई समेत करीब 20 देशों में किया जाता है। इसमें अकेले अमेरिका करीब 60 प्रतिशत हस्तशिल्प उत्पादों का निर्यात होता है। जिला उद्योग केंद्र के आंकड़े - जिले के नौ हजार लोगों का निर्यात-आयात के लिए पंजीकरण- करीब दो हजार लोगों का सिर्फ निर्यात के लिए पंजीकरण हर साल करीब 1200 लोग करते हैं निर्यात। करीब 800 लोग कभी-कभी कर पाते हैं निर्यात- अमेरिका के अलावा दूसरे देशों में तलाश कर रहे खरीदार- मुरादाबाद के निर्यात में 30 प्रतिशत की कमी हुई है। युद्ध या अन्य कारणों से कई देश प्रभावित हैं, अमेरिकी टैरिफ बड़ी चुनौती है। ऊपर से कच्चे माल के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। आने वाले दिनों में हस्तशिल्प उत्पाद और महंगा हो जाएगा। इससे निर्यात और घटने का डर है। -नावेद उर्रहमान, प्रेसीडेंट, एमएचईए- मुरादाबाद से हस्तशिल्प उत्पाद का एक बड़ा हिस्सा अमेरिका जाता है। बड़े से लेकर छोटे निर्यातक अमेरिकी खरीदारों से जुड़े हुए हैं। अमेरिका में छोटी सी हलचल होती है तो इसका बड़ा असर मुरादाबाद के काम पर पड़ता है। अमेरिकी टैरिफ दरों ने स्थिति ज्यादा बदल दी है। - सुरेश कुमार गुप्ता, चेयरमैन, आईआईए हैंडीक्रॉफ्ट डेवलेपमेंट कमेटी- लगातार बढ़ती कच्चा माल की कीमतों की वजह से हस्तशिल्प उत्पाद महंगा हो गया है। वर्ष 2025 में बड़े आर्डर नहीं मिलें, जो भी मिले वह या तो कैंसिल हो गए या फिर होल्ड हो गए। इसकी वजह से कारोबार कम हुआ है। -सतपाल, सचिव, द हैंडीक्रॉफ्ट्स एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन- निर्यातक अमेरिका के अलावा दूसरे देशों में हस्तशिल्प के खरीदारों की तलाश कर रहे हैं। हालांकि अभी दूसरे देशों में कोई खास बायर नहीं मिले हैं। यदि कच्चे माल की कीमत स्थिर नहीं हुई तो वर्ष 2026 में निर्यात और घटने की संभावना है। - दीपक चौधरी, निर्यातक

खुर्जा में आमने-सामने आ गईं थीं ट्रेनें.... तीन दिन बाद हटाए गए डीआरएम, दो स्टेशन मास्टर निलंबित

मुरादाबाद रेल मंडल के डीआरएम संग्रह मौर्य को पद से हटाकर राजकुमार सिंह को प्रभारी डीआरएम बनाया गया है। यह बदलाव 29 दिसंबर को खुर्जा स्टेशन पर एक ही लाइन पर दो ट्रेनों के आमने-सामने आ जाने की गंभीर घटना से जोड़कर देखा जा रहा है।संग्रह मौर्य को डीआरएम मुरादाबाद के पद से हटा दिया गया है।

शुक्रवार को तबादला आदेश के साथ ही यहां पहुंचे राजकुमार सिंह को मुरादाबाद रेल मंडल का प्रभारी डीआरएम बनाया गया है। सिंह इससे पूर्व मुरादाबाद डीआरएम की कुर्सी संभाल चुके हैं।इस आशय के आदेश में बदलाव का कारण स्पष्ट नहीं है लेकिन एकाएक हुआ यह परिवर्तन 29 दिसंबर को खुर्जा में एक लाइन पर दो ट्रेनें आ जाने का नतीजा माना जा रहा है। घटना के समय उत्तर रेलवे के जीएम अशोक वर्मा मुरादाबाद रेल मंडल के दौरे पर थे। खुर्जा स्टेशन पर 29 दिसंबर को हापुड़ की ओर से आने वाली एक्सप्रेस और

मेरठ की ओर से आ रही ट्रेन आमने-सामने आ गई थीं। दोनों ड्राइवरों के इमरजेंसी ब्रेक लगाने से दो गाड़ियों की भिड़ंत बच गई थी। उस वक्त मुरादाबाद मंडल में मुआयने पर आए जीएम अशोक वर्मा भी अफसरों के साथ तत्काल स्थानीय कंट्रोल रूम पहुंच गए थे।

उनकी मौजूदगी में मामले की रिपोर्ट उत्तर रेल मुख्यालय भेज दी गई थी। सूत्र बताते हैं कि उस वक्त माना गया था कि खुर्जा स्टेशन पर मेरठ की ओर से आ रही एक्सप्रेस ट्रेन को निकाले जाने के बाद हापुड़ से आ रही ट्रेन को चलाने की योजना थी। स्टेशन मास्टर को मेरठ से आने वाली ट्रेन निकल जाने का भ्रम होने से हापुड़ की ओर वाली ट्रेन को क्लियर सिग्नल दे दिया गया। ड्राइवरों के चौकस रहने से भीषण हादसा बच गया था। अब अचानक डीआरएम के पद पर बदलाव को खुर्जा प्रकरण का परिणाम माना जा रहा है, हालांकि कोई आला अफसर इस मामले में खुलकर बोलने को तैयार नहीं है।

...कुछ कह नहीं सकता- जीएम रेल मंत्रालय व रेलवे बोर्ड के इस निर्णय के बारे में मैं कुछ नहीं कह सकता। खुर्जा में घटना हुई थी लेकिन आदेश ऊपर से ही हुए हैं। डीआरएम के बदलाव का क्या कारण रहा, इसके बारे में स्पष्ट जानकारी मेरे पास नहीं है। - अशोक कुमार वर्मा, जीएम, उत्तर रेलवे

दो स्टेशन मास्टर निलंबित, कई रडार पर- डीआरएम पद से संग्रह मौर्य को हटाए जाने के बाद कुछ मंडलीय रेल अधिकारियों पर भी गाज गिरने के आसार हैं। सिग्नल या ऑपरेटिंग विभाग में से किसी एक पर घटना की जवाबदेही तय हो सकती है। हालांकि मामले की उच्चस्तरीय जांच जोनल मुख्यालय की टीम कर रही है।

खुर्जा के दो स्टेशन मास्टरों को पहले ही निलंबित किया जा चुका है। 29 दिसंबर की रात जब जीएम अशोक वर्मा मुरादाबाद में मौजूद थे। उसी समय खुर्जा में एक ही ट्रैक पर दो ट्रेनों के आमने-सामने होने का कंट्रोल रूम पर मैसेज आया था। जीएम फौरन कंट्रोल रूम पहुंचे।

पता चला कि दो ट्रेनें एक ही लाइन पर आमने-सामने थीं। ड्राइवर ब्रेक न लगाते तो बड़ा हादसा हो जाता। डीआरएम संग्रह मौर्य को मौके पर रवाना किया गया। साथ ही दो स्टेशन मास्टरों व टीआई को निलंबित कर दिया गया था।

यदि खुर्जा की घटना के कारण ही डीआरएम को हटाया गया है तो यह न्यायसंगत नहीं है। इससे आने वाले अधिकारी भी दबाव में कार्य करेंगे। कर्मचारियों से जुड़े मामले भी प्रभावित होंगे। - राजेश चौबे, मंडल मंत्री, नरमू

संग्रह मौर्य ने तीन माह कई महत्वपूर्ण मुद्दों का समाधान कराया। यदि वास्तव में खुर्जा की घटना इस कार्रवाई का कारण है तो यह तर्कसंगत नहीं है। -धर्मवीर सिंह, मंडल मंत्री, उरमू

तीन माह में ही हटे डीआरएम...पीछे कुछ तो है

बदलाव की जद में आए दोनों अफसरों की इसे लेकर चुप्पी है लेकिन पीछे कुछ गहरा है, यह हर कोई मान रहा है। मुरादाबाद रेलवे के इतिहास में यह पहला मौका है जब महज तीन माह में डीआरएम को हटा दिया गया। अधिकारियों, ट्रेड यूनियनों और रेलवे स्टाफ में चर्चा है कि खुर्जा में 29 दिसंबर को दो ट्रेनों की भिड़ंत की नौबत ही इस तबादले का कारण है।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह में यातायात पुलिस ने नियम तोड़ने वालों पर की कार्रवाई, जागरूक भी किया

मुरादाबाद । राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत शुक्रवार को यातायात पुलिस ने महानगर के प्रमुख चौराहों एवं तिराहों पर विशेष अभियान चलाया। दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट लगाने तथा

सभी वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया गया। शुक्रवार को यातायात जिला प्रभारी मिथलेश कुमार ने बताया कि अभियान के तहत कुल 550 लोगों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक किया गया। यातायात पुलिस ने मोटर व्हीकल एक्ट की विभिन्न धाराओं में कुल 483 ई-चालान काटे। अधिकारियों ने चौराहों पर हाईवे पर नियमों का उल्लंघन कर बाइक दौड़ा रहे बाइक सवारों को रोक कर उन्हें नियमों का पालन न करने की स्थिति में होने वाली जनहानि के बारे विस्तार से बताया और नियमों का पालन करने की अपील की। कहा कि वह अपनी और दूसरों की सुरक्षा के लिए यातायात नियमों का पालन करें।यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई भी की गई। यातायात पुलिस ने विभिन्न धाराओं में कार्रवाई करते हुए बिना हेलमेट वाहन चलाने वाले 149, बिना सीट बेल्ट 13, ओवर स्पीड में 29, ट्रिपल राइडिंग 10, बिना ड्राइविंग लाइसेंस 46,नो-पार्किंग- 83, बिना इंश्योरेंस 20 चालान किए। जिला प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने मोटर व्हीकल एक्ट की विभिन्न धाराओं में कुल 483 ई-चालान जारी किए। आमजन से अपील की गई कि वह अपनी और दूसरों की सुरक्षा के लिए यातायात नियमों का पालन करें तथा हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें।

22 दुकान व मकानों में रह रहे 48 लोगों को नोटिस...15 दिन में दिखाने होंगे वैध दस्तावेज

संभल। जामा मस्जिद से सटे कब्रिस्तान की भूमि पर कब्जे के मामले में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की तैयारी कर ली है। विवादित धार्मिक स्थल के निकट स्थित आठ बीघा कब्रिस्तान की पैमाइश के बाद 22 दुकान-मकानों में रह रहे 48 लोगों को नोटिस जारी किए गए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नगर पालिका परिषद में टैक्स जमा करने मात्र से भूमि पर स्वामित्व सिद्ध नहीं होता, इसके लिए वैध साक्ष्य प्रस्तुत करने होंगे। ऐसा नहीं कर पाये तो सख्त कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। 12 दिसंबर को श्री कल्कि सेना के राष्ट्रीय संयोजक सुभाष त्यागी एडवोकेट ने जामा मस्जिद से सटे कब्रिस्तान की भूमि पर अवैध कब्जे को लेकर जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया से शिकायत की थी। कहा था कि विवादित धार्मिक स्थल के निकट गाटा संख्या 32/2 में आठ बीघा भूमि राजस्व अभिलेखों में कब्रिस्तान के रूप में दर्ज है लेकिन लोगों ने इस जमीन पर कब्जा कर मकान व दुकानें बनाकर खड़ी कर लीं। कहा गया था कि यह कब्जे सपा के शासनकाल में किये गये। यह भी आरोप था कि 24 नवंबर 2024 को हुई हिंसा के दौरान इन्हीं मकानों की छतों से पुलिस बल पर पथराव व फायरिंग की गई थी। जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम रामानुज व तहसीलदार धीरेंद्र प्रताप सिंह को जमीन की पैमाइश कराने के निर्देश दिये थे। इसके बाद ही 30 दिसंबर को तहसीलदार धीरेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में नायब तहसीलदार बबलू कुमार, दीपक जुरैल और अरविंद कुमार सिंह की मौजूदगी में 22 लेखपालों की टीम ने भारी सुरक्षा बंदोबस्त के बीच कब्रिस्तान की भूमि की पैमाइश की थी। पैमाइश के दौरान ही साफ हो गया था कि 22 दुकानें और बहुमंजिले मकान कब्रिस्तान की भूमि पर बनाये गये हैं।

नहीं दिये पुख्ता दस्तावेज तो हटानेएं जाएंगे कब्जे- तहसीलदार

संभल धीरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि पैमाइश के दौरान यह बात साफ हो गई थी कि 22 दुकानें और उनके ऊपर जो मकान बने हैं वह कब्रिस्तान की भूमि पर बनाए गए हैं।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

महाशिवरात्रि पर शिव से जुड़ी आकृतियों से सजेगी नाथनगरी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। इस बार महाशिवरात्रि पर नाथनगरी भव्य और आकर्षक रूप में नजर आएगा। बरेली विकास प्राधिकारण (बीडीए) ने शहर को फूलों से सजाने और बड़े स्तर पर फ्लावर शो के सात दिवसीय आयोजन की तैयारी तेज कर दी है। नाथनगरी को भगवान शिव से जुड़ी आकृतियों के रूप में फूलों से अलग-अलग सजावट की जाएगी। इसी को लेकर बीते दिवस बीडीए कार्यालय में अहम बैठक बीडीए उपाध्यक्ष डॉ. मनिकंडन ए. की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इसमें शहर के प्रमुख सामाजिक, सांस्कृतिक और व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

बैठक का फोकस महाशिवरात्रि के अवसर पर सात दिन तक शहर को नई पहचान देने और शहर को सांस्कृतिक व सौंदर्यात्मक रूप से सुसज्जित करने पर रहा। बीडीए उपाध्यक्ष के समक्ष व्यापार मंडल, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए), चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स, ज्वैलर्स एसोसिएशन, होटल एवं बैंक्वेट हॉल एसोसिएशन, बिल्डर्स, आर्किटेक्ट्स और आईआईए जैसी संस्थाओं के पदाधिकारियों ने आयोजन को यादगार बनाने के लिए अपने सुझाव रखे। जिसके बाद निर्णय लिया गया कि महाशिवरात्रि के अवसर पर करीब एक सप्ताह तक बरेली के प्रमुख चौराहों, मुख्य सड़कों, डिवाइडरों, पार्कों और सार्वजनिक स्थलों को रंग-बिरंगे फूलों से सजाया जाएगा, ताकि शहर में उत्सव का माहौल बनाया जा सके।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फरीदपुर के दिवंगत विधायक को दी श्रद्धांजलि

अन्य जनप्रतिनिधि भी पहुंचे अंतिम यात्रा में ,उमड़ा जन सैलाब

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। फरीदपुर से भाजपा के विधायक रहे प्रोफेसर डॉ. श्याम बिहारी लाल के निधन पर शोक व्यक्त करने के लिए शनिवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बरेली स्थित उनके आवास पर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने दिवंगत विधायक के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके परिजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की। बता दें कि विधायक प्रोफेसर श्याम बिहारी लाल का शुक्रवार को हृदय गति रुकने से निधन हो गया था। उनके निधन की खबर से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। श्रद्धांजलि देने के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि श्याम बिहारी लाल एक सरल, कर्मठ और जनसेवा के प्रति समर्पित जनप्रतिनिधि थे।

उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने परिजनों को इस दुख की घड़ी में धैर्य रखने की सांत्वना दी और ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना की। इस अवसर पर भाजपा के कई पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और स्थानीय लोग भी मौजूद रहे। 11 बजे मुख्यमंत्री वापस रवाना करीब दस मिनट तक मुख्यमंत्री विधायक के निवास पर मौजूद रहे। महेश गुप्ता के साथ आई भीड़ को रोका बदायूं से पूर्व मंत्री महेश गुप्ता तमाम लोगों के साथ पहुंचे। मगर उनके साथ आई भीड़ को पुलिस ने शक्तिनगर कॉलोनी के गेट पर ही रोक दिया।

इसी तरह तमाम अन्य नेताओं को भी मुख्यमंत्री के आगमन से पूर्व ही कॉलोनी में जाने से रोक दिया गया। सीओ से भिड़े पूर्व जिलाध्यक्ष राजकुमार शर्मा मुख्यमंत्री के विधायक निवास पहुंचने के बाद पूर्व जिलाध्यक्ष राजकुमार शर्मा और पूरन लाल लोधी भी पहुंचे। सीओ तृतीय पंकज श्रीवास्तव ने उन्हें अन्दर जाने से रोक दिया। इस पर राजकुमार शर्मा सीओ से भिड़ गए और जबरन अंदर चले गए। मुख्यमंत्री की मौजूदगी के दौरान रुका रहा ट्रैफिक विधायक श्याम बिहारी के आवास पर मुख्यमंत्री के पहुंचने से दस मिनट पहले ही सड़क पर दोनों ओर से ट्रैफिक रोक दिया गया। इस पर राजकुमार शर्मा सीओ से भिड़ गए और जबरन अंदर चले गए। मुख्यमंत्री की मौजूदगी के दौरान रुका रहा ट्रैफिक विधायक श्याम बिहारी के आवास पर मुख्यमंत्री के पहुंचने से दस मिनट पहले ही सड़क पर दोनों ओर से ट्रैफिक रोक दिया गया। जब तक मुख्यमंत्री का काफिला वापसी के लिए रवाना नहीं हुआ, पीलीभीत बाईपास पर दोनों ओर से ट्रैफिक बंद रखा गया।

दिवंगत विधायक डॉ. श्याम बिहारी पंचतत्व में विलीन

समर्थकों ने नम आंखों से किया विदा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। फरीदपुर की श्मशान भूमि पर दिवंगत विधायक डॉ. श्याम बिहारी का अंतिम संस्कार किया गया। नम आंखों के बीच उनके बेटे ने चिता को मुखाग्नि दी, इसके साथ ही वह पंचतत्व में विलीन हो गए। हर किसी की आंखों में उनके इस तरह अचानक चले जाने का गम साफ झलक रहा था। अंतिम यात्रा में भी तमाम मंत्री और भाजपा के नेता शामिल हुए।

फरीदपुर के विधायक कार्यलय पर उनका पार्थिव शरीर अंतिम दर्शन के लिए रखा गया था। शनिवार दोपहर करीब 2 बजकर 13 मिनट पर यहां से अंतिम यात्रा शुरू हुई, जिसमें हजारों की तादाद में विधायक के समर्थक, मंत्री, नेता और आम लोग शामिल हुए। 3 बजकर 20 मिनट पर श्मशान भूमि पर सलामी दी गई।

3 बजकर 40 मिनट पर उनके बेटे ने मुखाग्नि दी। इस दौरान सीतापुर के सिधौली से विधायक मनीष राव, शाहजहांपुर सांसद अरुण सागर, जिला पंचायत अध्यक्ष रशमी पटेल, एमलएसी हरी सिंह ढिल्लो, अशोक कटारिया, दिगविजय सिंह शाक्य, विधायक डीसी वर्मा, मेयर उमेश गौतम, मंत्री धर्मपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

जिला अस्पताल में शर्मनाक हरकत : महिला से छेड़छाड़ के आरोप में वार्ड बॉय की धुनाई

अस्पताल प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। बरेली। नववर्ष के जश्न के बीच बरेली के जिला अस्पताल में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एक वार्ड बॉय पर महिला से अभद्रता करने का गंभीर आरोप लगा। महिला अपने परिचित मरीज को देखने इमरजेंसी वार्ड पहुंची थी और बाहर बैठकर मोबाइल पर बात कर रही थी। आरोप है कि तभी पीछे से आए वार्ड बॉय ने महिला पर आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी।

महिला के विरोध करने पर आरोपी ने गाली-गलौज शुरू कर दी। खुद को अपमानित महसूस कर महिला ने शोर मचा दिया। शोर सुनते ही आसपास मौजूद तीमारदार और राहगीर मौके पर जुट गए और वार्ड बॉय को घेरकर उसकी जमकर पिटाई कर दी। अस्पताल परिसर में काफी देर तक हंगामे का माहौल बना रहा।

इसी दौरान किसी व्यक्ति ने पूरी घटना का वीडियो बना लिया, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी वार्ड बॉय को हिरासत में लेकर अस्पताल चौकी ले गई। वहां दोनों पक्षों के बीच बातचीत हुई, जिसके बाद आपसी सहमति से मामला शांत कराया गया।

घटना के बाद अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए अस्पताल प्रशासन ने आरोपी वार्ड बॉय को तत्काल इमरजेंसी ड्यूटी से हटाकर दूसरी जगह तैनात कर दिया है।

अपर चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एल.के. सक्सेना ने बताया कि जिला अस्पताल परिसर में वार्ड बॉय और महिला के बीच विवाद की जानकारी मिली है। दोनों पक्षों में समझौता हो गया है। यदि किसी भी पक्ष की ओर से लिखित शिकायत प्राप्त होती है तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

महाशिवरात्रि पर फूलों से महकेगा शहर, भगवान शिव के प्रतीक से सजेंगे प्रमुख चौराहे

महाशिवरात्रि पर पूरा बरेली शहर शिवमय होगा। शहर के प्रमुख जगहों और चौराहों को फूलों से सजाया जाएगा। सप्ताहभर सांस्कृतिक गतिविधियां होंगी। इसे लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। बरेली में महाशिवरात्रि पर करीब सप्ताह भर तक बरेली विकास प्राधिकरण की ओर से शहर को फूलों से सजाया जाएगा। शिव प्रतीक डमरू, सर्प, त्रिशूल, चंद्रमा आदि समेत विज्ञान और पर्यावरण संरक्षण की अपील करते हुए चौराहे सजाए जाएंगे। शुक्रवार को आगामी फ्लॉवर शो के संबंध में हुई बैठक में ये जानकारी बीडीए उपाध्यक्ष मनिकंडन ए ने दी। इस पर व्यापार मंडल, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, चैंबर्स ऑफ कॉमर्स, ज्वेलर्स एसोसिएशन, होटल एवं बैंक्वेट हॉल, क्रेडाई, आर्किटेक्ट, आईआईए के पदाधिकारियों ने सहमति जताई। सभी ने सांस्कृतिक स्वरूप प्रदान करने के लिए अपने-अपने सुझाव दिए। उपाध्यक्ष ने करीब सप्ताह भर तक शहर के प्रमुख चौराहों, मुख्य मार्गों, डिवाइडरों, पार्कों, सार्वजनिक स्थलों के सौंदर्यीकरण पर चर्चा की। जिसमें प्रतीक और सजावट संबंधी सहमति बनी।प्रस्तावित किया कि पुष्प सज्जा की थीम सिर्फ धार्मिक प्रतीकों के अलावा विज्ञान, प्रौद्योगिकी, पर्यावरण संरक्षण, हरित ऊर्जा, स्वच्छता, सतत विकास जैसे समकालीन विषय भी शामिल रहें। इसके लिए मुख्य मार्गों को क्षेत्रवार विभाजित कर सेक्टरवार विशेष थीम तय की जाए। व्यापारी और समाजसेवियों से स्वैच्छिक सहयोग की अपील- बीडीए उपाध्यक्ष ने स्थानीय व्यापारिक, सामाजिक संगठनों से स्वेच्छा से किसी एक सेक्टर या चौराहा गोद लेकर निर्धारित थीम के अनुरूप पुष्प सज्जा कराने की अपील की, ताकि जनसहभागिता रहे। ग्रेटर बरेली स्थित रुद्रावनम पार्क और बीडीए कार्यालय परिसर की सजावट होगी। उपाध्यक्ष ने आयोजन सफल बनाने के लिए आपसी समन्वय, सहयोग, नवाचार से कार्य करने को कहा ताकि एक भव्य, आकर्षक, सांस्कृतिक स्वरूप बने।

बरेली में 300 एकड़ जमीन पर विकसित होगी इंडस्ट्रियल टाउनशिप, जनवरी में मिलेगी रामायण वाटिका की सौगात

बरेली में बीडीए प्रदेश की पहली इंडस्ट्रियल टाउनशिप विकसित करेगा। इस टाउनशिप में उद्योग के साथ लोगों के रहने की व्यवस्था भी की जाएगी, ताकि लोग काम और अपने जीवन को एक ही जगह पर संतुलित कर सकें। बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) गांव रहपुरा जागीर में 300 एकड़ भूमि पर प्रदेश की पहली इंडस्ट्रियल टाउनशिप विकसित करेगा। इससे उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। शहरवासियों को इसी माह रामायण वाटिका की भी सौगात मिलेगी। सीएम योगी इसे जनता को समर्पित करेंगे। रामायण के प्रसंगों पर आधारित इस वाटिका में श्रीराम की 51 फुट ऊंची प्रतिमा लगी है। पीलीभीत रोड पर नई टाउनशिप का तोहफा भी लोगों को मिलेगा।बीडीए ने इंडस्ट्रियल टाउनशिप को लॉजिस्टिक हब, ट्रांसपोर्टनगर, वेयर हाउस और इंडस्ट्रियल एरिया चार जोन में बांटा है। जोन एक में शामिल लॉजिस्टिक हब के लिए 125 हेक्टेयर भूमि रहपुरा चौधरी में ली जाएगी। इसमें अलग-अलग आकार के भूखंड होंगे। जोन दो में वेयर हाउस, तीन में ट्रांसपोर्टनगर व चार में इंडस्ट्रियल एरिया को रखा गया है। इनमें भी 750 से लेकर 10 हजार वर्गमीटर तक के प्लॉट होंगे। इंडस्ट्रियल टाउनशिप में उद्योग के साथ लोगों के रहने की व्यवस्था भी की जाएगी, ताकि लोग काम और अपने जीवन को एक ही जगह पर संतुलित कर सकें।टाउनशिप में होंगी ये सुविधाएं

टाउनशिप में ईटीपी, एसटीपी, ई-चार्जिंग स्टेशन, कॉमन पार्किंग एरिया, पेट्रोल-सीएनजी पंप, सीयूजीएल गैस लाइन, कैफेटेरिया, बैंक व पोस्ट ऑफिस, फायर स्टेशन, मेडिकल फैसिलिटी सेंटर, कॉमन फैसिलिटी सेंटर, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम आदि होगा। पीलीभीत रोड किनारे 700 एकड़ पर बीडीए नई टाउनशिप विकसित कर रहा है। इंडस्ट्रियल टाउनशिप फेस-2 के लिए भी प्राधिकरण की ओर से 300 एकड़ जमीन देखी जा रही है। कन्वेंशन सेंटर, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, रुद्रावनम व नाथ म्यूजियम की भी मिलेगी सौगात- तीन माह में कन्वेंशन सेंटर व स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का तोहफा शहरवासियों को मिलेगा। कन्वेंशन सेंटर में 600 और 200 लोगों के लिए कॉन्फ्रेंस हॉल के साथ वातानुकूलित कमरे, विवाह और अन्य आयोजन के लिए लॉन, पार्किंग आदि की सुविधा होगी। स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में मल्टीपर्पज इनडोर हॉल, टेबल टेनिस, बॉक्सिंग, वॉलीबॉल कोर्ट आदि बनाए गए हैं। ग्रेटर बरेली में 2.5 एकड़ भूमि पर रुद्रावनम और नाथ म्यूजियम का काम अंतिम चरण में हैं। चार माह बाद ये जनता को समर्पित होंगे। रुद्रावनम पूरी तरह शिवमय होगा। नाथ म्यूजियम में सरोवर के चारों ओर गैलरी और ध्यान केंद्र प्रस्तावित है। प्रशासन शुरू करेगा परिसंपत्तियों का मूल्यांकन- औद्योगिक टाउनशिप के लिए भूमि क्रय के संबंध में शुक्रवार को बीडीए उपाध्यक्ष मनिकंडन ए ने बैठक की। प्रशासनिक अफसरों से चिह्नित भूमि की स्थिति, परिसंपत्तियों के मूल्यांकन आदि पर चर्चा की। पहले चरण में ग्राम रसूला चौधरी, भिटौरा नौगवां, चिटौली, रहपुरा जागीर में 124.370 हेक्टेयर भूमि चिह्नित है। राजस्व, लोक निर्माण व सिंचाई विभाग को चिह्नित भूमि पर स्थित परिसंपत्तियों का निरीक्षण और मूल्यांकन कर संयुक्त रिपोर्ट जल्द देने के लिए कहा है। उपाध्यक्ष ने बीडीए सचिव, संयुक्त सचिव और विशेष कार्याधिकारी को भूमि क्रय संबंधी जरूरी औपचारिकताएं पूरी कर डीएम की अध्यक्षता में जल्द बैठक आयोजित करने का सुझाव दिया। बीडीए उपाध्यक्ष ने कहा कि यह टाउनशिप बेहद महत्वपूर्ण है। इसके फेज-2 के लिए भी जमीन देखी जा रही हैं।

बारादरी पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल हथियार के साथ आरोपी को किया गिरफ्तार

आरोपी लंबे समय से था फरार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। थाना बारादरी पुलिस ने हत्या के प्रयास के एक गंभीर मामले में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त अवैध चाकू भी बरामद किया है।

पुलिस के मुताबिक 31 दिसंबर को मोहम्मद शफीक ने थाने में तहरीर दी थी कि शाकिर अली, शैफी उर्फ रिजवान और अदनान उनके घर पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। जब इसका विरोध किया गया तो शैफी उर्फ रिजवान ने अचानक बड़ा चाकू निकालकर खालिद पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में खालिद गंभीर रूप से घायल हो गया था।

घटना के बाद थाना बारादरी में हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज किया गया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर आरोपियों की तलाश तेज की गई। इसी क्रम में गश्त के दौरान मुखबिर से मिली सूचना पर पुलिस टीम ने ककरईया कब्रिस्तान के पास से वांछित आरोपी रिजवान उर्फ शैफी पुत्र रहीश अहमद, निवासी मोहल्ला बुखारपुरा, उम्र लगभग 32 वर्ष, को दबोच लिया।

तलाशी के दौरान आरोपी के पास से घटना में इस्तेमाल किया गया नाजायज चाकू बरामद हुआ, जिसके चलते मुकदमे में आर्म्स एक्ट की धारा 4/25 की बढ़ोतरी की गई है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया ।

राव दानिश का कत्ल, आतिफ की हत्या का बदला...अलीगढ़ का बाप, कौन है देवराज उर्फ राहत?

अलीगढ़ में एएमयू शिक्षक राव दानिश हत्याकांड के खुलासे के इंस्टा आईडी 'देवराज गैंग अलीगढ़' अब प्राइवेट कर दी गई है। एएमयू शिक्षक राव दानिश की हत्या का खुलासा किए जाने के कुछ घंटे बाद ही यह बदलाव किया गया है।अलीगढ़ में एएमयू शिक्षक राव दानिश हत्याकांड के खुलासे के बाद मुनीर गैंग की कमान संभाल रहे कुख्यात शूटर जुबैर द्वारा संचालित इंस्टा आईडी 'देवराज गैंग अलीगढ़' अब प्राइवेट कर दी गई है। ये इंस्टा से आठ अक्तूबर को हत्या के घटनास्थल एएमयू का एलान किया था। अमीर निशा सिविल की देर शाम ताबड़तोड़ गोलियां बरसा कर एबीके बॉयज स्कूल के कंप्यूटर शिक्षक दानिश साथी इमरान व भोलू संग टहलने गए थे। इस में रह रहे मूल रूप से बरला नौशा के हिस्ट्रीशीटर भूमिका सामने आई। जांच में उजागर हुआ कि के बाद जुबैर को दानिश पर मुखबिरी करने पिछले वर्ष जुलाई में ही जुबैर जेल से बाहर रचकर अपने भाइयों यासिर व फहद से ये खुलासा करते हुए पुलिस ने दोनों भाइयों के कुर्ते वाला को जेल भेजा है। जिस आईडी पर पब्लिक थी, अब वह प्राइवेट हो गई है। इसके गतिविधियों व अन्य एकाउंटों पर काम कर करीबियों व परिचितों को भी तलाशा जा रहा है।गैंगवार में आतिफ की हत्या के बदले का लगा बायो स्टेटस- बेशक यह आईडी प्राइवेट कर दी गई है। मगर इसके बायो स्टेटस पर एएमयू छात्र आतिफ की हत्या का बदला लेने का उल्लेख है। इस बायो में लिखा है कि अपने भाई का बदला जरूर लेंगे। आतिफ का बदला जरूर होगा। बहुत जल्द होगा। अलीगढ़ का बाप। बता दें कि 2018 में शाहबेज की हत्या के बदले में जनवरी 2021 में जाकिर नगर में एएमयू छात्र आतिफ की हत्या हुई थी। आतिफ भी जुबैर का करीबी दोस्त था और वह भी शाहबेज की हत्या में जेल गया था। मुनीर के जेल जाने व उसके मारे जाने के बाद जुबैर ने बेशक गैंग की कमान संभाल ली। बाद में एक लड़की को लेकर इस गिरोह में बिखराव हुआ और गैंगवार हुई, तभी शाहबेज व आतिफ की हत्या हुई थी।कौन है देवराज उर्फ राहत- शूटर जुबैर जिस आईडी को 'देवराज गैंग अलीगढ़' के नाम से चलाता है। वह देवराज उर्फ राहत उसका बेहद करीबी दोस्त है। मूल रूप से बिहार चंपारन का देवराज उर्फ राहत दानिश हत्याकांड में बृहस्पतिवार को जेल भेजे गए सलमान के छोटे भाई मामून को गोली लगने की घटना के बाद से गायब है। मामून भी इन दोनों का करीबी दोस्त था। उसी देवराज के नाम से ये जुबैर ये आईडी चलाता है।एएमयू परिसर में लगी थी सलमान के भाई को गोली- बृहस्पतिवार को जेल भेजे गए सलमान के भाई मामून को 2020 में एएमयू के एसएस नार्थ परिसर में गोली लगी थी। उस हमले की घटना में अकरम टिप्पा व उसके कुछ साथी जेल भी गए थे। छह माह बाद मामून की मृत्यु हो गई, लेकिन हमले की घटना आज तक हत्या में तरमीम नहीं हुई।तब जुबैर के साथी ने दिल्ली पुलिस पर चलाई थी गोली- शाहबेज हत्याकांड में 20 हजार का इनामी जुबैर जब 2019 में दिल्ली के न्यू फ्रेंडस कॉलोनी इलाके में दंपती से लूट में पकड़ा गया, तब पुलिस उसे रिमांड पर अलीगढ़ लेकर आई थी। सर सैयद नगर में दबिश के समय छत से कूदने पर गाजियाबाद का अपराधी अदनान गोल्डन जख्मी हो गया था, उसने पुलिस पर गोली चला दी थी। पुलिस उसे यहां हथियारों की बरामदगी के लिए लेकर आई थी। उसी से गाजियाबाद के सुदामापुरी विजय नगर के अदनान उर्फ गोल्डन, अंबर आदि के नाम उजागर हुए थे। दबिश में अदनान ने भागते समय पुलिस पर गोली चलाई थी। बाद में उसे पकड़ा गया था, तभी यह उजागर हुआ था कि जुबैर यूपी व दिल्ली में मुनीर के गैंग को ऑपरेट कर रहा था।आठ दिसंबर को आया अलीगढ़...घटना वाले दिन आने पर जांच- राव दानिश हत्याकांड में जिन हिस्ट्रीशीटर भाइयों जुबैर व यासिर-फहद को पुलिस तलाश रही है। उनमें से जुबैर के आठ दिसंबर को आखिरी बार अलीगढ़ आने के इनपुट उसके इंस्टा एकाउंट से मिले हैं। इसके बाद वह घटना वाले दिन अलीगढ़ आया या नहीं, इस पर अभी तस्वीर पूरी तरह से साफ नहीं है, लेकिन कुछ इनपुट मिल रहे हैं।फहद ने 2023 में एक लूट को अंजाम दिया था, तब उसके अलीगढ़ आने के इनपुट मिले थे।पुलिस सूत्रों के अनुसार जुबैर की दो आईडी में से एक देवराज नाम से व दूसरी खुद के नाम से है। खुद के नाम वाली आईडी पर उसके तमाम वीडियो में से आखिरी वीडियो आठ दिसंबर का है, जिसमें वह अलीगढ़ आने का उल्लेख कर रहा है। इसके बाद कोई सुराग नहीं है। घटना वाले दिन यासिर और फहद के पास जिस नंबर का इनपुट मिला है, उसे कभी जुबैर भी प्रयोग करता रहा है। इसलिए घटना वाले दिन उसके अलीगढ़ आने की तस्वीर साफ नहीं। इस पर जांच के बाद ही कुछ कहा जा सकेगा।दानिश से विवादों की कड़ियां भी जोड़ रही पुलिस- हिस्ट्रीशीटर भाइयों द्वारा राव दानिश की हत्या में मुखबिरी के अलावा उनसे विवादों की कड़ियां भी पुलिस जोड़ रही है। जिसमें मुखबिरी विवाद के अलावा अन्य तरह के विवादों पर भी फोकस किया जा रहा है। इसके लिए एएमयू व इर्द गिर्द के मुखबिरों की मदद ली जा रही है। यह जानने का प्रयास किया जा रहा है कि पूर्व में इस गिरोह में हुईं हत्याओं में दानिश की किसी तरह की भूमिका तो नहीं रही। कहीं रंगदारी से लेकर किसी व्यापारी या महिला को लेकर दानिश का इन हिस्ट्रीशीटर भाइयों से विवाद तो नहीं रहा। इसी क्रम में दानिश के तमाम करीबियों से जानकारी जुटाई जा रही है।बोले एसपी सिटी- इस विषय में एसपी सिटी मृगांक शेखर पाठक कहते हैं कि अब हमारा पूरा फोकस यासिर, फहद व जुबैर को पकड़ने पर है। उनके पकड़े जाने के लिए दिल्ली से भी मदद ली जा रही है। साथ में उनके विषय में एक एक कड़ियां जोड़ी जा रही हैं। उनके पकड़े जाने पर ही हत्या की अन्य वजह भी सामने आ सकेंगी। यह भी स्पष्ट होगा कि वे दिल्ली में रहकर अपराध जगत के लॉरेंस सहित किन किन ग्रुपों से जुड़ गए हैं।

24 घंटे में खुलासा: तीन साढ़ू में एक निकला शैतान, बनाना चाहता था साली संग संबंध; दो ने मारकर नाले में फेंका शव

पूछताछ में राम वचन ने चौंकाने वाला खुलासा किया। उसने बताया कि मृतक अजय मुखिया उसका साढ़ू था और दोनों रायपुर पुश्ता क्षेत्र में साथ रहते थे। राम वचन को शक था कि अजय उसकी पत्नी के साथ अवैध संबंध बनाना चाहता था। नोएडा थाना सेक्टर-126 पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर एक सनसनीखेज हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए दो हत्यारोपियों समेत शव ठिकाने लगाने में मदद करने वाले एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर मृतक का मोबाइल फोन, एटीएम कार्ड और हत्या व शव छिपाने में इस्तेमाल किया गया ई-रिक्शा भी बरामद किया है।पत्नी की शिकायत से खुला हत्या का मामला

मामला 2 जनवरी 2026 को सामने आया, जब एक महिला ने थाना सेक्टर-126 में अपने पति अजय मुखिया (24 वर्ष) की हत्या की सूचना दी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की और एक विशेष टीम गठित की गई।24 घंटे में आरोपियों तक पहुंची पुलिस पुलिस टीम ने इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य, स्थानीय मुखबिरों और तकनीकी इनपुट के आधार पर तेजी से कार्रवाई करते हुए 3 जनवरी को असगरपुर से रायपुर की ओर जाने वाले पुश्ता रोड से दो मुख्य आरोपियों राम वचन मांझी और साजन मांझी उर्फ सज्जन मांझी को गिरफ्तार कर लिया। अवैध संबंध के शक में रची गई हत्या की साजिश- पूछताछ में राम वचन ने चौंकाने वाला खुलासा किया। उसने बताया कि मृतक अजय मुखिया उसका साढ़ू था और दोनों रायपुर पुश्ता क्षेत्र में साथ रहते थे। राम वचन को शक था कि अजय उसकी पत्नी के साथ अवैध संबंध बनाना चाहता था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कई बार विवाद हुआ था। करीब 20-25 दिन पहले हुए बड़े झगड़े के बाद राम वचन ने अपने दूसरे साढ़ू साजन मांझी के साथ मिलकर अजय की हत्या की योजना बना ली। शराब के बहाने बुलाया, बेरहमी से की हत्या- योजना के तहत 28 दिसंबर 2025 को साजन ने अजय को शराब पीने के बहाने रायपुर बुलाया। इसके बाद दोनों उसे ग्राम असगरपुर, सेक्टर-128 नोएडा ले गए, जहां उसे अधिक शराब पिलाई गई। नशे में बेसुध होने पर अजय को ई-रिक्शा में बैठाकर असगरपुर पुश्ता की सुनसान जगह पर ले जाया गया। वहां साजन ने अजय के हाथ पकड़े, जबकि राम वचन ने उसका गला और मुंह दबाकर उसकी हत्या कर दी। शव छिपाने के लिए रची दूसरी साजिश- हत्या के बाद आरोपियों ने शव को मिट्टी में दबा दिया। अगले दिन शव को पूरी तरह ठिकाने लगाने के लिए उन्होंने अपने परिचित अशोक पुत्र आनंदी मांझी को भी शामिल कर लिया। तीनों ने शव को प्लास्टिक के बोरे में बांधा और ई-रिक्शा से घोड़ा फार्म/जिंदल फार्म के पास पुश्ता रोड किनारे एक गहरे नाले में फेंक दिया। शक से बचने के लिए रचा तलाश का नाटक- पुलिस पूछताछ में यह भी सामने आया कि शक से बचने के लिए आरोपियों ने मृतक की तलाश का दिखावा किया, लेकिन पुलिस की सख्त जांच और तकनीकी साक्ष्यों के आगे उनकी चालाकी ज्यादा देर नहीं चल सकी। पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना- नोएडा पुलिस की इस त्वरित और सटीक कार्रवाई से एक जघन्य हत्या का खुलासा 24 घंटे में हो सका। तीनों आरोपी फिलहाल पुलिस हिरासत में हैं और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

लाखों की भीड़ में एक उम्मीद- छह माह से लापता बेटे को खोजने माघ मेले में पहुंचा आगरा का दंपती

संगम की रेती पर फैले माघ मेले की भीड़ में उस दिन आस्था के साथ-साथ एक असहनीय पीड़ा भी बह रही थी। आगरा से आए एक दंपती के हाथ में बेटे की तस्वीर थी। उसी तस्वीर को सीने से लगाए वे हर चेहरे में अपने लाल को खोज रहे थे।संगम की रेती पर फैले माघ मेले की भीड़ में उस दिन आस्था के साथ-साथ एक असहनीय पीड़ा भी बह रही थी। आगरा से आए एक दंपती के हाथ में बेटे की तस्वीर थी। उसी तस्वीर को सीने से लगाए वे हर चेहरे में अपने लाल को खोज रहे थे। कोई अनजान मिलता तो आंखों में उतर आई उम्मीद के साथ वे पूछ बैठते, भइया, क्या आपने इस लड़के को कहीं देखा है। भीड़ के शोर में उनकी आवाज़ कई बार दब जाती, पर सवाल हर बार वही रहता।आगरा के ट्रांस यमुना थाना क्षेत्र के रामबाग से आए राजीव कुशवाहा और उनकी पत्नी पूनम अपने बेटे शिव कुशवाहा की फोटो लेकर पूरे माघ मेले में घूम रहे हैं। संगम नोज से लेकर अक्षय वट, हनुमान मंदिर, राम घाट लेकर महावीर रोड और संगम के सभी घाटों पर जा रहे हैं। वह लोगों को फोटो दिखाकर पूछ रहे हैं कि इस लड़के को कहीं देखा है। दंपती के मुताबिक उनका इकलौता बेटा शिव कुशवाहा 24 जून 2025 से लापता हो गया है। बताया कि जहां भी उम्मीद की एक किरण दिखी, वहां पहुंचे। पोस्टर छपवाए, फोन किए, अनजान नंबरों पर भरोसा किया, पर हर कोशिश निराशा में बदलती चली गई। वक्त के साथ आंखों की नमी सूखने लगी, पर इंतजार खत्म नहीं हुआ। माघ मेले की खबर सुनकर उनके भीतर एक नई आस जागी। लाखों श्रद्धालु आते हैं, कहीं न कहीं किसी की नजर पड़ ही जाएगी। यही सोचकर वे संगम तट पर पहुंच गए। संगम की ओर बढ़ती भीड़ के बीच वे रुक-रुक कर तस्वीर दिखाते, लोगों से पूछते, और हर नहीं पर मन को समझाते। अगले मोड़ पर शायद हां मिल जाए। दंपती की आंखों में आंसुओं का सैलाब था। मां की हथेलियां कांपतीं तो पिता चुपचाप बेटे की तस्वीर को सीधा करते मानो वह कहीं से देख रहा हो और तस्वीर टेढ़ी न लगे। वे कहते हैं, आंखें पथरा गई हैं, पर उम्मीद जिंदा है। जब तक सांस है, तलाश जारी रहेगी। उनके लिए जीवन का एकमात्र उद्देश्य अब वही है। बेटे को खोज निकालना। मेले की चहल-पहल के बीच उनकी कहानी कई दिलों को छू गई। कुछ लोगों ने तस्वीर अपने फोन में ली, कुछ ने सोशल मीडिया पर साझा करने का भरोसा दिया, किसी ने पुलिस हेल्पडेस्क का रास्ता दिखाया। हर छोटी मदद उनके लिए बड़ा सहारा बनती गई। शाम ढलते-ढलते थकान चेहरे पर थी, मगर कदम रुकने का नाम नहीं ले रहे थे। मां पूनम ने बताया कि उन्होंने गंगा मैया से बेटे के लिए मनौती मांगी है। बेटा मिल जाएगा तो उसके साथ वह फिर मां गंगा में स्नान करने के लिए आएंगे।

संक्षिप्त समाचार

आधी रात घर के अंदर गला रेतकर युवती की हत्या, बगल की चारपाई पर लेटी मां को भनक तक न लगी

श्रावस्ती में आधी रात को घर के अंदर घुसकर गला रेतकर युवती की हत्या कर दी गई। घरवालों को इसकी भनक तक न लगी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।यूपी के श्रावस्ती में शुक्रवार की रात घर में घुसकर गला रेतकर युवती की हत्या कर दी गई। मां बगल की चारपाई पर लेटी थी, लेकिन उसे भनक तक न लग सकी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना करके जानकारी जुटाई। आगे की कार्रवाई की जा रही है। घटना सिरसिया थाना क्षेत्र के शाहपुर बदगदवा गांव की है। गांव निवासी पंचूराम की इकलौती बेटी सुनीता देवी (18) शुक्रवार की रात खाना खाने के बाद सोने के लिए चली गई। मां कलावती पास ही दूसरी चारपाई पर सोई थी। आधी रात कलावती की आंख खुली तो सुनीता खून से लथपथ मिली। गले पर किसी धारदार हथियार से कट का निशान था। यह देख कलावती चीख पड़ी। साथ ही घर के अन्य परिजनों को खबर दी। कुछ ही देर में लोगों की भीड़ लग गई। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना पर थाना प्रभारी शैलकांत उपाध्याय फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उच्चाधिकारियों को घटना की जानकारी दी। जानकारी मिलने पर एसपी राहुल भाटी भी मौके पर पहुंचे। एसपी ने बताया कि प्रथम दृष्टया युवती के गले पर धारदार हथियार से हमले की संभावना है। खुलासे के लिए टीम का गठन किया गया है। हर पहलू की जांच की जा रही है। प्रथम दृष्टया मामला पारिवारिक लग रहा है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। घटना के बाद से घरवालों ने चुप्पी साध रखी है। वह कुछ भी बोलने से इंकार कर रहे हैं। मां के बगल की चारपाई पर लेटी बेटी की हत्या हो गई, किसी को कोई जानकारी नही है। यह बात गांव में चर्चा का विषय बनी हुई है।

शराब के नशे में किशोर को निर्वस्त्र कर वीडियो बनाया, किया वायरल; तीन आरोपी गिरफ्तार

बरेली के कैंट इलाके में शराब के नशे में दोस्तों ने किशोर को पीटा और निर्वस्त्र कर उसका वीडियो बनाया। यह वीडियो पुणे में रहने वाले दोस्त को भेज दिया। उसने इस वीडियो को वायरल कर दिया।

शिकायत मिलने पर पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बरेली के कैंट इलाके में नए साल का जश्न मनाने निकले लड़कों ने नशे में अपने ही किशोर साथी की जमकर पिटाई कर दी। उसे सुनसान जगह ले गए। वहां निर्वस्त्र कर उसका वीडियो बनाया। इसी वीडियो को पुणे निवासी दोस्त ने वायरल कर दिया।

पुलिस की जांच में मामला एक दोस्त की सिपाही बहन पर किए कमेंट से जुड़ा निकला है। हालांकि कैंट थाने में पीड़ित किशोर की मां ने पुरानी रंजिश में अगवा कर हमला करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है।पीड़ित किशोर के साथ कैंट थाना प्रभारी राजेश कुमार से मिली उसकी मां ने तहरीर देकर बताया कि 31 दिसंबर की रात उनका सोलह वर्षीय बेटा खाना खाकर घर के बाहर खड़ा था।

बस्ती के ही मुकुल यादव, सुभाष यादव उर्फ एडी, सुल्तान, आयुष और बासु आए। ये लोग पुरानी रंजिश में झगड़ा करने लगे। आरोप लगाया कि ये लोग उनके बेटे को जबरन बाइक पर बैठाकर रविंद्र नाथ टैगोर इंटर कॉलेज के पीछे ले गए। पांचों ने उनके बेटे को बुरी तरह पीटा।बेटे को निर्वस्त्र कर वीडियो बना लिया और दूसरे दिन सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इससे पहले उनके बेटे ने इन लोगों की काफी मिन्नत की, लेकिन वह नहीं माने। उसे तमंचा मुंह में डालकर गोली मारने की धमकी दी।

वीडियो वायरल होने के बाद उनके नाबालिग बेटे को सदमा लगा है, उन लोगों की बदनामी हो रही है। कैंट पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर तीन आरोपियों की गिरफ्तारी कर ली। जांच में साफ हुई तस्वीर...सिपाही बहन के बारे में अश्लील कमेंट से भड़का गुस्सा-वीडियो वायरल होने के बाद एसएसपी अनुराग आर्य के आदेश पर कैंट थाना प्रभारी राजेश कुमार ने जांच की तो चौंकाने वाली जानकारियां सामने आईं। कैंट इंस्पेक्टर ने बताया कि पीड़ित किशोर पर भी दो मुकदमे पहले से दर्ज हैं। इनमें से एक लड़की ले जाने व दुष्कर्म का है। उसके दोस्त अलग-अलग जाति के हैं। पता लगा है कि पीड़ित ने कुछ दिन पहले अपने दोस्त को उसकी सिपाही बहन के बारे में भद्दे कमेंट लिखकर भेज दिए थे। इससे दोस्त नाराज था। वह हाल ही में महाराष्ट्र चला गया। 31 दिसंबर की रात बाकी दोस्त शराब पार्टी करने निकल गए। वहां नशे में आए तो पुणे निवासी दोस्त से फोन पर बात की। चर्चा है कि उसी के इशारे पर अपने साथी किशोर को निर्वस्त्र कर पिटाई की और वीडियो बनाकर पुणे में दोस्त को भेज दिया। उसने अगले दिन वीडियो वायरल कर दिया। बदनामी हुई तो स्कूल में काम करने वाली मां को पता लगा। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना के दौरान मौजूद तीनों लड़कों को गिरफ्तार कर लिया गया है। एक दोस्त की लोकेशन पुणे में आ रही है। दो अन्य संदिग्धों की गिरफ्तारी हो सकती है।

2300 किमी लंबे सुपारी कॉरिडोर में शामिल थे झांसी के अफसर, दो बार फेल होने पर तीसरी बार में गिरफ्त में आए

उत्तर पूर्व से लेकर दिल्ली एवं राजस्थान तक 2300 किमी लंबे सुपारी कॉरिडोर में झांसी के अफसर शामिल थे। कच्चे बिल के सहारे सुपारी कंपनियों तक पहुंचाई जाती है। हर महीने सरकारी खजाने को करोड़ों रुपये की चपत लगाने का खेल अफसर तीसरी बार में गिरफ्त में आए।उत्तर कंपनियों तक पहुंचाने के खेल में अफसर भी शामिल हैं। अफसरों की मदद सरकारी खजाने को करोड़ों रुपये की चपत समेत तीन सीजीएसटी अफसर सीबीआई के फंसने के आसार हैं। सीबीआई के रडार अहम स्थानों पर सिंडिकेट के अफसर दरअसल, सुपारी के मुकाबले करीब चार लिए पान-मसाला कंपनियां कच्चे बिल है। मूल रूप से सुपारी बिहार, यूपी, पहुंचाई जाती है। जीएसटी विभाग के सूत्रों कंपनियों तक पहुंचती है। यह पूरा कॉरिडोर तक आसानी से पूरा माल पहुंचाने के लिए एवं लखनऊ में तैनात सीजीएसटी के दो सीबीआई ने इन अफसरों को सर्विलांस

चोरी की आड़ में सौदा करने वाले दूसरे अफसरों का भी सुराग लगा। सिंडीकेट के अफसरों से अनिल तिवारी एवं अजय शर्मा के गहरे रिश्ते मिले। दोनों की कानपुर एवं लखनऊ में लगातार बात होती थी। इस दौरान सौदेबाजी की बात सामने आ जाने पर सीबीआई ने डिप्टी कमिश्नर प्रभा भंडारी, अनिल तिवारी एवं अजय शर्मा को गिरफ्तार कर लिया। इन तीनों की गिरफ्तारी के बाद सीबीआई सिंडीकेट में शामिल अन्य अफसरों का सुराग लगा रही है। उधर, सीबीआई की कार्रवाई के बाद से स्टेट जीएसटी अफसरों में भी खलबली मची है। दो बार फेल होने के बाद तीसरी बार में गिरफ्त में आए सीजीएसटी अफसर- सीजीएसटी अफसरों को पकड़ने की सीबीआई टीम दो बार पहले भी कोशिश कर चुकी थी लेकिन उसे कामयाबी नहीं मिल सकी थी। 21 नवंबर को सराफा बाजार स्थित जाने माने सराफा कारोबारी के यहां सीजीएसटी टीम ने छापा मारा था। यहां टैक्स का घालमेल मिला था। टर्नओवर के सापेक्ष कागजों में काफी कम टैक्स जमा हुआ पाया गया। कार्रवाई के दौरान खुद डिप्टी कमिश्नर प्रभा भंडारी एवं अधीक्षक अनिल तिवारी मौजूद थे। टीम कई दस्तावेज भी अपने साथ ले गई थी। इस मामले में सराफा कारोबारी पर मोटा जुर्माना लगाने की कवायद शुरू हो गई थी। उसके कुछ दिन बाद पांच दिसंबर को उनके चचेरे भाई के ज्वैलर्स शोरूम में जीएसटी इंटेलिजेंस (डीजीजीआई) टीम ने छापा मारा। यहां सोना तस्करी का मामला सामने आया था। सूत्रों का कहना था कि इसके बाद सराफा बंधुओं ने मामला निपटाने के लिए अनिल तिवारी से संपर्क साधा। अनिल ने मदद करने का भरोसा दिलाते हुए उनको लखनऊ बुलाया। उनसे मोटी रकम की मांग की गई थी। इस सौदे की भनक भी सीबीआई को लग गई थी। अनिल तिवारी लखनऊ में थे लेकिन पैसों का इंतजाम न हो पाने से सराफा कारोबारी नहीं पहुंचे। इस वजह से सीबीआई वहां पकड़ने में असफल हो गई। इसके बाद झांसी में भी इन दोनों को पकड़ने की कोशिश हुई थी। तीसरी बार जाकर अनिल एवं अजय शर्मा पकड़ में आए।

किया जा रहा था। दो बार फेल होने पर सीजीएसटी पूर्व से लेकर दिल्ली एवं राजस्थान तक सुपारी को सीजीएसटी एवं एसजीएसटी विभाग के कई से यह पूरा खेल कच्चे बिल पर होता है। हर महीने लगाई जाती है। झांसी में पकड़ी गई डिप्टी कमिश्नर कार्रवाई का छोटा हिस्सा हैं। आगे इसमें बड़ी मछलियों पर अभी भी सुपारी कॉरिडोर है। इस कॉरिडोर के तैनात हैं।सीबीआई इनके भी इनपुट जुटा रही है। गुना जीएसटी गुटखा पर है। टैक्स से बचने के पर सुपारी मंगवाती हैं। करोड़ों रुपये का खेल होता दिल्ली के रास्ते राजस्थान के विभिन्न इलाकों में का कहना है कि कच्चे पर्चे के सहारे सुपारी मसाला करीब 2300 किलोमीटर लंबा है। मसाला कंपनियों सिंडिकेट के मनपसंद अफसरों की तैनाती है। कानपुर अफसरों के कॉल डिटेल सीबीआई को मिले थे। पर लगा रखा था। उनके सहारे सीबीआई को टैक्स

घोटाला: यूपी के इस गांव में ग्राम प्रधान ने पति, बेटों और बहू को मजदूर दिखाकर 3.51 लाख हड़पे, ऐसे हुआ खुलासा

भदोही जिले के डीघ ब्लॉक के बड़ागांव में ग्राम प्रधान द्वारा 3.51 लाख हड़पने का मामला सामने आया है। ग्राम प्रधान ने पति, बेटों और बहू को मजदूर दिखाकर भुगतान करा लिया। इसका खुलासा होने पर नोटिस भेजकर 15 दिनों में जवाब मांगा रहा है। ताजा मामला डीघ ब्लॉक के बड़ागांव में और दो बहुओं को मजदूर दिखाकर मनरेगा से तीन की जांच में मामले का खुलासा होने पर डीएम मांगा है। जवाब नहीं देने पर प्रधान का वित्तीय एवं निवासी कृष्ण मोहन शुक्ला ने 28 जुलाई 2025 जांच कराने की मांग की थी। आरोप लगाया कि डीएम के निर्देश पर डीपीआरओ संजय कुमार मिश्रा पंचायत भवन की चहारदीवारी निर्माण, खड़ंजा निर्माण, 16 अन्य कार्यों में पति फूलचंद्र मौर्य, बेटा कृष्ण देवी और देवर ज्ञानचंद्र को वीबी-जी राम जी में प्राथमिक विद्यालय बड़ागांव में दिव्यांग शौचालय,

विद्युतीकरण कार्य कराए बिना ही सात हजार का भुगतान कर लिया गया है। ग्रामसभा में अनियमित तरीके से तीन लाख 68 हजार का भुगतान किया गया है। डीपीआरओ ने जांच की रिपोर्ट डीएम को दे दी है। डीपीआरओ संजय कुमार मिश्रा ने कहा कि बड़ागांव में विकास कार्यों की जांच में तीन लाख 68 हजार की अनियमितता मिली है। डीएम ने प्रधान को नोटिस जारी किया है।

गया है।ग्राम पंचायतों में सरकारी धन का दुरुपयोग थम नहीं सामने आया है। यहां पर ग्राम प्रधान ने पति, देवर, तीन बेटों लाख 51 हजार रुपये का भुगतान कर दिया। डीपीआरओ शैलेष कुमार ने प्रधान को नोटिस भेजकर 15 दिनों में जवाब प्रशासनिक अधिकार सीज किया जा सकता है। बड़ागांव को डीएम को प्रार्थना पत्र देकर गांव के विकास कार्यों की मनरेगा समेत अन्य विकास कार्यों में धांधली की जा रही है। ने जांच किया। इसमें पाया कि ग्राम प्रधान फूल कुमारी ने प्राथमिक विद्यालय के कमरों के मरम्मत कार्य समेत करीब मौर्य, राजेश मौर्य, बाल कृष्ण मौर्य, बहू लमी मौर्य, बिंदू मजदूर बनाकर तीन लाख 51 हजार का भुगतान कर दिया। प्राथमिक विद्यालय परिसर में शौचालय निर्माण एवं

महंगाई का तड़का: टमाटर-मिर्च ने बढ़ाया रसोई का बजट, कोहरे व बिगड़ते मौसम से सब्जियों के ट्रांसपोर्ट में दिक्कत

खराब मौसम से महंगाई का तड़का लग रहा है। टमाटर-मिर्च ने रसोई का बजट बढ़ा दिया है। कोहरे व बिगड़ते मौसम से सब्जियों के ट्रांसपोर्ट में दिक्कत आ रही है।कड़ाके की ठंड, घना कोहरा और बिगड़ते मौसम का सीधा असर आमजन की रसोई पर पड़ रहा है। दिसंबर की विदाई और जनवरी की दस्तक के साथ ही राजधानी लखनऊ में टमाटर, हरी मिर्च, शिमला मिर्च, अदरक जैसी कई सब्जियों के दामों में तेज उछाल दर्ज किया गया है। वहीं कुछ सब्जियों के दामों में मामूली गिरावट भी देखने को मिली है, जिससे उपभोक्ताओं को थोड़ी राहत मिली है।सब्जी मंडियों में टमाटर, आलू, लौकी, शिमला मिर्च और अदरक के भाव दो से 20 रुपये प्रति किलो तक बढ़ गए हैं। दुबग्गा सब्जी मंडी के विक्रेता राहुल बताते हैं कि प्रदेश में इन सब्जियों का उत्पादन सीमित है। मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों से बड़ी मात्रा में सब्जियां मंगाई जाती हैं। आपूर्ति नहीं होने से दाम बढ़ गए दिसंबर-जनवरी में मौसम की गिरावट और घने कोहरे के कारण ट्रांसपोर्ट प्रभावित हो रहा है, जिससे मंडियों में समय पर आपूर्ति नहीं हो पा रही और दाम चढ़ गए हैं। नरही के सब्जी विक्रेता महेश के अनुसार, एक सप्ताह पहले तक टमाटर 40-45 रुपये प्रति किलो बिक रहा था, जो अब 50-55 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है। हरी मिर्च भी 40 रुपये प्रति किलो के पार निकल गई है। हालांकि सभी सब्जियों के दाम बढ़े हों, ऐसा नहीं है। कुछ सब्जियों के भाव जनवरी में घटे भी हैं। व्यापारियों का कहना है कि मौसम सामान्य होते ही और ट्रांसपोर्ट व्यवस्था सुधरने पर सब्जियों के दामों में स्थिरता आने की उम्मीद है।

मंडी में सब्जियों के भाव (रुपये प्रति किलो)

सब्जी	दिसंबर	जनवरी
टमाटर	35 रुपये	45 रुपये
आलू	7 रुपये	9 रुपये
लौकी	12 रुपये	15 रुपये
शिमला मिर्च	40 रुपये	60 रुपये
अदरक	50 रुपये	60 रुपये
हरी मिर्च	25 रुपये	40 रुपये

मंडी में इन सब्जियों के घटे दाम (रुपये प्रति किलो)

सब्जी	दिसंबर	जनवरी
मटर	25 रुपये	23 रुपये
गोभी	10 रुपये	8 रुपये
पत्ता गोभी	7 रुपये	5 रुपये

समाजसेवी दारा सिंह एवं दलजीत सिंह द्वारा बहनों को साड़ी एवं शूट किए गए वितरित

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार / पीलीभीत / पीलीभीत के अमरिया तहसील के भरा पचपेड़ा मे बिरहनी के समाजसेवी दारा सिंह एवं दलजीत सिंह द्वारा निर्धन एवं गरीव परिवार की बहनो को साडिया एवं सूट वितरित किये बिरहनी में रहने के बावजूद भी भरा पचपेड़ा के गरीब निर्धन लोगो से लगाव रखते हैं हमेशा उनकी सहायता करने में तत्पर रहते हैं उनका कहना है कि किसी भी व्यक्ति को किसी भी परिवार को कोई परेशानी हो तो मुझे जरूर बताएं जिससे कि उसकी समस्या का समाधान हो सके फिलहाल भरा पचपेड़ा के लोग उनके लिए ईश्वर से सुख शांति एवं तरक्की की प्रार्थना करते है द्य साड़ियां एवं सूट को पाकर सभी बहनों का चेहरा खिल उठा द्य समाजसेवी द्वारा गरीवो की मदद करना एक चर्चा का विषय बना हुआ है द्य

संक्षिप्त समाचार

युवक की खंभे से बांधकर पिटाई, बर्तन चोरी के आरोप में दी गई ये सजा

उत्तर प्रदेश के एटा जिले में युवक को खंभे से बांधकर पीटा गया। सूचना के बाद भी पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। एटा के मोहल्ला हाजीपुरा निवासी राजू ने आरोप लगाया कि एक युवक ने उनके घर में घुसकर शुक्रवार को बर्तन चुरा लिए। इसके बाद शनिवार की सुबह पकड़कर युवक को विद्युत खंभे से बांधकर पीट दिया। युवक ने बताया कि वह भगौना चुराने गया था, तभी पकड़ लिया। जिसके घर से बर्तन चुराने गया था वह रिश्ते में मामा लगते हैं। सूचना पाकर भी पुलिस मौके पर नहीं पहुंची और युवक पिटता रहा। स्थानीय लोग खड़े होकर तमाशबीन बने रहे।

कस्बा मझोला में श्रद्धा व उत्साह के साथ संपन्न हुई प्रभात फेरी, 4 जनवरी को निकलेगा विशाल नगर कीर्तन

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार / पीलीभीत / कस्बा मझोला में गुरु पर्व (प्रकाश पर्व) के उपलक्ष्य में बीती 27 दिसंबर से आरंभ हुई प्रभात फेरी 3 जनवरी को अपने अंतिम चरण में श्रद्धा, उत्साह और धार्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुई। इन सात दिनों तक लगातार चलने वाली प्रभात फेरी में क्षेत्रवासियों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई और पूरे वातावरण को भक्ति से

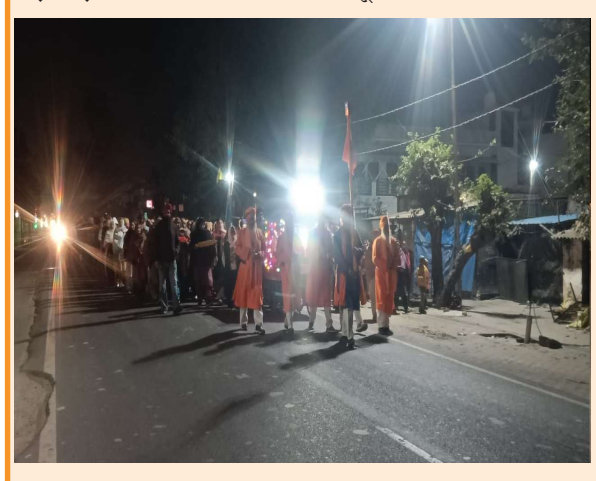

सराबोर बनाए रखा। प्रभात फेरी के दौरान माता-बहनों द्वारा गाए गए मधुर भजनों और गुरबाणी के कीर्तन से कस्बा प्रतिदिन आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत होता रहा। अंतिम दिन प्रभात फेरी के समापन अवसर पर संगत की सेवा हेतु विशेष रूप से पूरी-मटर पनीर एवं मीठा प्रसाद का वितरण किया गया, जिसे संगत ने अत्यंत प्रेम व श्रद्धा के साथ ग्रहण किया। गुरुद्वारा श्री गुरु कालगीधर सिंह सभा के हेड ग्रंथि भाई गुरजंट सिंह द्वारा क्षेत्र की सुख-शांति एवं खुशहाली के लिए विशेष अरदास की गई। वहीं गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्यों ने समस्त संगत एवं सेवाभावी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया। गुरुद्वारे के प्रधान बलविंदर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि 4 जनवरी को विशाल नगर कीर्तन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बाहर से पधारे रागी जत्थे एवं कथावाचक संगत को गुरु की महिमा से निहाल करेंगे। उन्होंने सभी क्षेत्रवासियों से इस समागम को ऐतिहासिक बनाने की अपील की। उल्लेखनीय है कि कस्बा मझोला में प्रभात फेरी की यह पवित्र परंपरा स्वर्गीय श्री कश्मीर सिंह द्वारा प्रारंभ की गई थी, जिनकी सेवा, समर्पण और श्रद्धा को लोग आज भी आदरपूर्वक स्मरण करते हैं।

जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी द्वारा किया गया मेला रामनगरिया का किया गया शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप /जनपद फरूखाबाद उत्तर प्रदेश शनिवार को पौष पूर्णिमा के पावन अवसर पर फर्रुखाबाद के प्रसिद्ध पांचाल घाट पर आस्था बावजूद सुबह 4 बजे से ही शुरू कर दिया। इस शुभ का भी विधिवत शुभारंभ हो गंगा स्नान के लिए न केवल हरदोई, शाहजहांपुर, बरेली, संख्या में श्रद्धालु पांचाल घाट भारी भीड़ जमा हो गई थी। पवित्र डुबकी लगाई। धार्मिक

का संगम देखने को मिला। कड़ाके की ठंड के हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा नदी में स्नान करना अवसर के साथ ही प्रसिद्ध %मेला रामनगरिया गया है। दूर-दराज के जिलों से पहुंचे श्रद्धालु- स्थानीय लोग, बल्कि पड़ोसी जनपदों जैसे बदायूं, इटावा, मैनपुरी और एटा से भी भारी पहुंचे। सुबह 9 बजे तक घाटों पर भक्तों की श्रद्धालुओं ने हर हर गंगे% के जयघोष के साथ अनुष्ठान और कल्पवास- स्नान के पश्चात श्रद्धालुओं ने अपनी सामर्थ्य अनुसार दान-पुण्य किया। गंगा किनारे जगह-जगह सत्यनारायण भगवान की कथा का आयोजन कराया गया। वर्तमान में हजारों की संख्या में संत और श्रद्धालु घाट पर कल्पवास कर रहे हैं। मेला क्षेत्र में संतों के आश्रमों में रामायण का अखंड पाठ जारी है, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। सुरक्षा के कड़े इंतजाम- सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखने के लिए घाट पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। निगरानी- पुलिसकर्मी लाउडस्पीकर और सीटी के माध्यम से श्रद्धालुओं को गहरे पानी में न जाने की चेतावनी देते रहे। जल सुरक्षा: नदी के भीतर नावों के जरिए भी लगातार निगरानी रखी गई ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। मेला प्रशासन का अनुमान है कि आने वाले दिनों में श्रद्धालुओं की संख्या में और भी वृद्धि होगी। फर्रुखाबाद

No need to go to the market! Make these spicy, street-style matar kulchas at home; the recipe is very easy.

Questions often arise about the hygiene of market-made matar kulchas. Therefore, making them at home is a good option. If you want to make your own, follow this recipe to enjoy delicious and hygienic matar kulchas at food in Delhi. You'll find matar kulcha spicy peas. While market-made matar arise about their hygiene. But don't make matar kulchas at home without the easy recipe for making matar kulchas: Dried white peas are used to peas - 1 cup (soaked overnight) Finely tomato - 1 medium Green chilies - 2-3 (grated) Tamarind water - 3-4 powder (1/2 teaspoon), roasted cumin teaspoon), black salt (1/2 teaspoon) First, put the soaked peas in a pressure salt and boil for 3-4 whistles. Make sure mashed. Now, transfer the boiled peas tomato, green chilies, and ginger. Next, powder, chaat masala, red chilies, and generously with coriander leaves and a Recipe for soft kulchas: Ingredients: powder - 1/2 teaspoon Sugar - 1

home. Matar kulchas are a popular street stalls everywhere, emanating the aroma of kulchas are quite delicious, questions often worry, with a very simple recipe, you can compromising on taste or hygiene. Let's learn kulchas. Method for making spiced matar make the matar kulchas. Ingredients: White chopped onion - 1 medium Finely chopped (finely chopped) Ginger - 1-inch piece tablespoons Spices - Salt (to taste), red chili powder (1 teaspoon), chaat masala (1 Coriander leaves - finely chopped Method: cooker. Then, add 2 cups of water and a little the peas are cooked but not completely to a large vessel and add the chopped onion, add the tamarind water, roasted cumin black salt and mix well. Finally, sprinkle little lemon juice. Your spicy peas are ready! Flour - 2 cups Yogurt - 1/4 cup Baking teaspoon Oil/butter - for frying Nigella seeds and coriander leaves - for garnishing Method: First, mix the flour with yogurt, sugar, baking powder, and a little salt. Knead a soft dough using lukewarm water. Apply a little oil on top and leave it covered for 1-2 hours. After 1-2 hours, form dough balls. Roll them out slightly and press some nigella seeds and coriander leaves on top. Then, heat a pan over medium heat and place the kulchas on the pan. Sprinkle a little water on the edges and let them cook. Cook until golden brown on both sides. Apply butter on the end and serve hot. If you prefer a market-style taste, add finely chopped onions to the peas while serving.

Winter is the perfect time to enhance your skin from within. Nutritionist suggests incorporating these 10 foods into your diet.

We often think that winter makes your skin dry and dull, but the reality is that winter is the best time to nourish your skin from within. If you eat right this season, your skin can remain healthy and glowing year-round. Let's learn about skin from within is essential during winter. your skin glowing year-round. Did you know that food? We often think of winter as a season of dry best time to nourish your skin not just externally, skin will remain healthy and glowing all year nutritionist Lima Mahajan. Sweet Potato Rich in Eat it with the peel and a fat source (like ghee or 4 times a week to renew skin and reduce dryness. increasing collagen and repairing skin. To achieve Cruciferous Vegetables - Eat vegetables like them. These vegetables protect against sun acne-prone skin. Pomegranate - Pomegranate is Eat its fresh seeds in the morning or afternoon. acne, take a small piece of raw turmeric. Consume Grapes - If you want to reduce the effects of aging diet. Pumpkin - Make and drink pumpkin pumpkin help remove dead skin layers, revealing fenugreek leaves mixed with vegetables, lentils, or

10 foods that can truly benefit your skin. Nourishing your Nutritionist Lima Mahajan reveals 10 foods that will keep the real secret to year-round glowing skin lies in winter and dull skin, but the reality is different. This season is the but from within. If you eat the right diet these days, your round. Let's learn about 10 such foods, suggested by vitamin A, sweet potato should be eaten boiled or roasted. oil). Nutritionists recommend including it in your diet 3 to Fruits Rich in Vitamin C Vitamin C is essential for this, eat fresh citrus fruits in the morning or midday. cauliflower and broccoli by lightly steaming or sautéing damage, control inflammation, and are very beneficial for excellent for brightening skin tone and evens out skin tone. Raw Turmeric - For clear skin, reduced dark spots, and it with warm water and a pinch of black pepper. Red and firm your skin, you can include red grapes in your vegetable or soup. The natural enzymes present in glowing and soft skin from within. Fenugreek Leaves - Eat roti. It helps control acne caused by blood sugar imbalance. Black Carrot - Make and drink black carrot kanji or eat it after lightly cooking it. It improves complexion and also reduces wrinkles and dark spots. Bathua - Eat Bathua simply by cooking it as a vegetable. It improves the supply of oxygen in the body, which reduces the yellowness of the skin and makes the skin glow from within.

Gen-Z seeks mental peace and freedom more than money, interesting revelations in a global report

Deloitte spoke to 23,000 young people in 44 countries around the world to gauge their sentiments. The results of this survey reveal that young people are no longer bound by stereotypes. Indeed, they are viewing money in a new light. bank account, but a significant source of freedom and mental peace. 40% of young people give up Today's young generation considers spending on always been important to every generation, but meaning of money has completely changed. For bank balance, but a means of security, freedom, by Deloitte in 44 countries, which interviewed interesting insights into this generation's economic world of Gen-Z. Concerns about the the report, Gen-Z's relationship with money is are constantly worried about their financial people believe they live in less financial security compelling reasons behind this fear and prevalence of the gig economy and temporary (especially in the US, Europe, and the Gulf forces them to earn quickly, they don't want to long. Money is important, but not at the expense

For them, money isn't just for depositing in a and peace. For Gen-Z, money means freedom earning opportunities for mental health. experiences a "mental investment." Money has for today's young generation, Gen-Z, the them, it's not just a means to increase their and mental peace. A global survey conducted 23,000 young people, has revealed many economic thinking. Let's learn about this new future and financial insecurity - According to quite complex. Nearly 60% of young people future. Meanwhile, nearly 70% of young than their parents. There are several insecurity: rapidly rising inflation; the jobs; and the heavy burden of education loans countries). While the pressure to repay loans be tied down to a single company or job for of mental health. The most shocking statistic from this survey is that nearly 40% of young people gave up good earning opportunities solely to protect their mental health. According to Jenny Henderson, Human Capital Lead at Deloitte, money is very important to Gen-G, but they don't want to earn it at the cost of extreme physical and mental exhaustion. Work-life balance is paramount for them. "Purpose" is more important than "package" - This generation values ??the "purpose" of work more than its "price." Gen-G prefers work that is: environmentally friendly. Brings about social change. aligns with their personal values. This is why today's youth are increasingly turning to new start-ups, freelancing, and professions related to social change, even if the initial earnings are slightly lower. Gen Z spends on making "memories." Gen Z's spending patterns are also completely different from previous generations. While they strive to build savings and an emergency fund, they also spend lavishly on experiences. They don't consider travel, new gadgets, attending music concerts, and investing in fitness and self-care as "extravagances." In their eyes, these are "mental investments." They prefer to spend money to experience and live life rather than simply hoard it. Overall, for Gen Z, money is no longer just a digital asset, but a tool for independence, identity, and a balanced life. This mindset distinguishes them from previous generations and is shaping the future economy.

Amitabh Bachchan's grandson's luck shines on the big screen, 'Ekkis' gets a bumper opening

Actor Agastya Nanda's latest film, 'Ekkis', released in theaters today. Let's find out how the movie has fared at the box office. 'Ekkis' gets a great opening, Agastya Nanda's movie shines

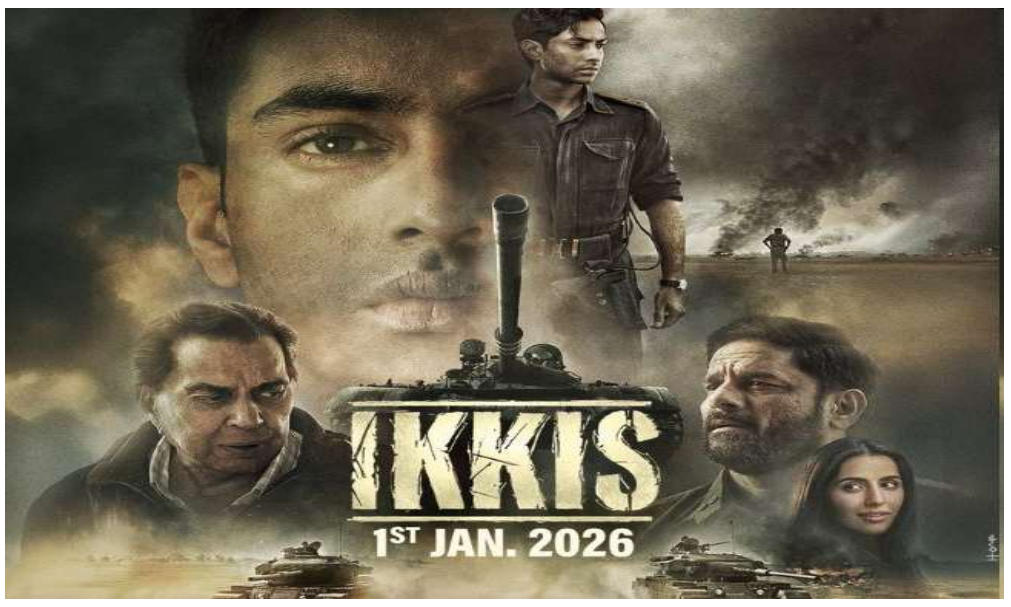

- 'Ekkis' did this much business on the first day. Directed by Sriram Raghavan, the new film 'Ekkis' has been released in theaters. This film marks the big screen debut of Hindi cinema's megastar Amitabh Bachchan's grandson, Agastya Nanda. Audiences are buzzing about this biopic of Indian Army's Param Vir Chakra winner and martyr Arun Khetarpal, Second Lieutenant. Released on the occasion of New Year's Eve, 'Ekkis' has received a bumper opening at the box office and how many crores the movie has earned. 'Ekkis' gets a good opening - 'Ekkis' was originally scheduled to be released in theaters on December 25th. However, to avoid a box office clash with films like Tu Meri Main Tera, Main Tera Tu Meri, Dhurandhar, and Vrishbha, it has now been released on the big screen today, January 1, 2026, on the occasion of New Year's Day. The film's trailer has received positive reviews from moviegoers. Furthermore, after its release, 21k is also receiving positive reviews from critics. Considering 21k's opening day box office collection, according to a report by SacNilk, Agastya Nanda's film grossed approximately ?8 crore (approximately $1.8 billion), an impressive figure for a newcomer. If 21k continues its earnings in the coming days, it is sure to have a strong opening weekend. Last year, actor Ahan Pandey made a blockbuster debut with the film Saiyara. Now, it seems Agastya Nanda is following suit, achieving a remarkable silver screen debut. Twenty-One didn't lose to Dhurandhar - It was believed that Twenty-One wouldn't be able to stand up to Ranveer Singh's Dhurandhar. However, based on the earnings of Agastya Nanda's film on its first day, Twenty-One has not given up. Now it will be interesting to see whether Twenty-One can continue to compete with Dhurandhar in the coming days.

This famous Bollywood villain has entered Don 3, replacing Vikrant Massey.

Amidst reports of Ranveer Singh's exit from Farhan Akhtar's Don 3, a new Bollywood actor has joined the film. This actor has replaced Vikrant Massey. A new actor will replace Vikrant Massey in Don 3. Vikrant left the film in 2025. Don 3 is one of Bollywood's most anticipated movies. The film has been delayed for two years and was scheduled to begin shooting in 2026. Casting for the film was ready, but reports of Ranveer Singh's exit began surfacing. Following Ranveer Singh's exit, a Bollywood actor has now been announced, replacing Vikrant Massey. Actually, Vikrant Massey was supposed to play a key role in Farhan Akhtar's Don 3. There were rumors that he would play the villain in the film, but he left the project a few months ago. Now, following Ranveer's exit, there are reports of a Bollywood actor entering the film to replace him. Vikrant Massey's replacement has been found - According to the latest media reports, the actor chosen by Farhan Akhtar to play Vikrant Massey in Don 3 was in the news for his comeback in 2025. After years, he made a stunning comeback with a web series, and he became the talk of the town. This actor's entry in Don 3 - If you still haven't guessed who we're talking about, it's Rajat Bedi of Bads of Bollywood. According to Hindustan Times, the makers are in talks with 51-year-old Rajat Bedi to play a key role in Don 3. He could play Vikrant Massey. Farhan Akhtar and Rajat have officially agreed to a meeting at the film's Khar office in Mumbai in January. Why did Vikrant Massey leave the film? Last July, reports emerged that Vikrant Massey had left the film, citing a lack of depth in the role and the need for a transformation. Prior to Rajat Bedi, reports had emerged that Aditya Roy Kapur and Vijay Deverakonda were also considered for the role of Vikrant. Rajat's entry has not yet been officially confirmed.

This hero and heroine will replace Rashmika and Vijay in the Hindi remake of Dear Comrade, adding a new twist to the old film!

A Hindi remake of the 2019 Telugu film, Dear Comrade, is being made. This film is considered one of the best films in Rashmika Mandanna and Vijay Deverakonda's career. Find out who will be seen romancing each other in the Hindi remake.

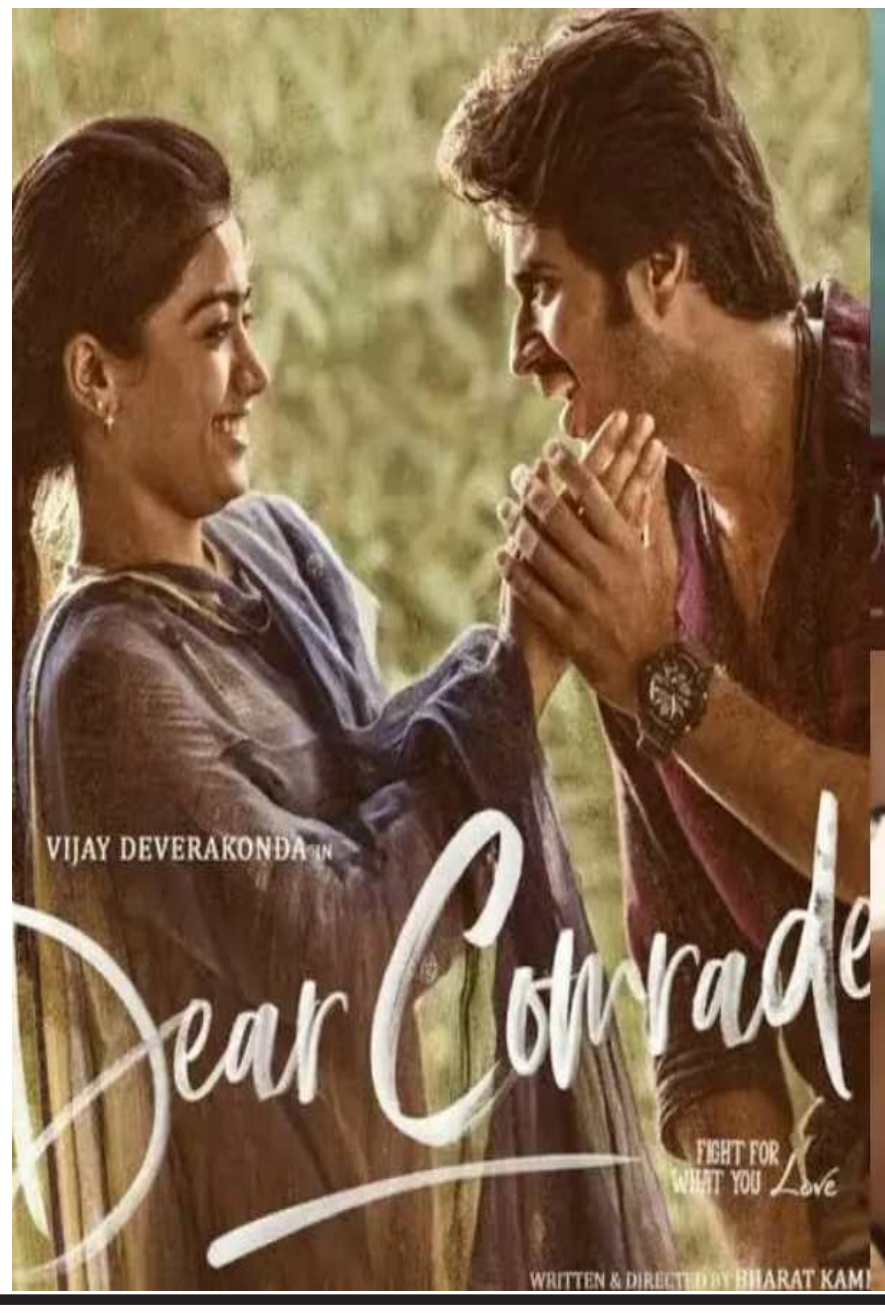

Karan Johar is making a Hindi remake of Dear Comrade. These two stars will play important roles in Dear Comrade - Rashmika and Vijay were also supposed to be part of the film. The story of Rashmika Mandanna and Vijay Deverakonda's hit film, Dear Comrade, will once again be seen on the big screen, but this time the casting will be different. Yes, a Hindi remake of this 2019 hit film is being made, and the casting has almost been finalized. Karan Johar's Dharma Productions acquired the Hindi remake rights for Dear Comrade six years ago, shortly after its release. Now, they're finally preparing to make the project. The names of the main leads have also been revealed. According to a Mid-Day report, Dharma Productions had been considering remaking Dear Comrade for quite some time, but the idea was always to find the right casting and tone. Therefore, they carefully finalized two names: Siddhant Chaturvedi and Pratibha Ranta. Siddhant and Pratibha were cast because Siddhant Chaturvedi's role in Dhadak 2 was well-received. He was the best at bringing the necessary intensity to the story, while Pratibha Ranta was a perfect fit for the emotional arc. She was in talks with the studio for another project and is perfect for this role as well. The makers will maintain the original arc of the film in the Hindi remake, but it will be tailored to a pan-Indian audience. The makers are not looking at this as a routine remake. The idea is to recreate Dear Comrade for a new audience without diluting what made the original film special. Earlier, it was being said that Vijay and Rashmika would also be in the Hindi remake, but now they have been replaced by Pratibha and Siddhant.